

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

कीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सर्दई, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिस, न्यूरो हिवे, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आईसीयू माइक्रोवर ओटी, यूरो सर्जरी, वेस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग वन..

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 05 सितम्बर 2026

दिन - शनिवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 220

मूल्य - 5 रुपये

7 Years

IN HEALTH, HOPE & HEALING

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहट

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपारा

● केवलारी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गोरेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरोंड़ा

...और दिखाओ...और दिखाओ

और दिखाओ...और दिखाओ...!!!

...खुबसुरत साड़ियों के लिए तो सिर्फ...यहींच...संभव

बरकरार रखीं

मो. 9325481081

9423113147

चुनने का मजा...

धनराज

खास साड़ीयों का खास संग्रह

नर्मदा रोड, गोंदिया

केरलमः रिश्तखोरी के मामले में सेवानिवृत्त उप जिलाधिकारी गिरफ्तार

कोच्चि, (भाषा)।

केरलम के कनयनूर भूमि अभिलेख कार्यालय के अधिकारियों से जुड़े 10 लाख रुपये के रिश्त मामले में कथित तौर पर बिचौलिए की भूमिका निभाने के आरोप में एक सेवानिवृत्त उप जिलाधिकारी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी कृपा एन. के. (59) को सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसबी) ने शाम करीब पांच बजे गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि यह गिरफ्तारी «प्रोजेक्ट जीरो» के तहत की गई, जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों और उनकी ओर से बिचौलियों की भूमिका निभाने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करना है। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसबी) ने 13 अगस्त को जाल बिछाकर की गई कार्रवाई में कनयनूर भूमि अभिलेख कार्यालय के तहसीलदार जोसेफ एंटनी हर्टिस और बिचौलियों राजेश एन. एस. तथा जोसेफ शिबिन को गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई कथित तौर पर 10 लाख रुपये की रिश्त मांगने और स्वीकार करने के मामले में की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर जांचकर्ताओं ने उसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। वीएसबी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को मुवाट्टपुझा स्थित सतर्कता अदालत में पेश किया जाएगा।

नेपाल बाढ़ त्रासदी के बाद 275 भारतीय नागरिक अब भी लापता : विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी जानकारी..

नई दिल्ली, (भाषा)।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि नेपाल-तिब्बत सीमा के पास आई भीषण बाढ़ के बाद 275 भारतीय अब भी लापता हैं, जबकि 166 लोगों को बचा लिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि चीन से नेपाल में 1,907 भारतीय नागरिक सुरक्षित पहुंच गए हैं।

जारी रहने के बीच आपातकालीन दलों ने 12,000 से अधिक लोगों को बचा लिया है, जबकि करीब 5,000 लोग अब भी लापता हैं। जायसवाल ने प्रेस वार्ता में कहा, “हमारी जानकारी के अनुसार, 275 भारतीय नागरिक अब भी लापता हैं। हम नेपाल सरकार के साथ लगातार करीबी संपर्क में हैं।” उन्होंने कहा, “हम इस संबंध में नेपाल के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हैं। अब तक 166 भारतीय नागरिकों को बचाया गया है और 1,907 भारतीय नागरिक चीन से सुरक्षित रूप से नेपाल पहुंच चुके हैं।” जायसवाल ने कहा, “चीन की आधिकारिक सूचना के अनुसार, चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में कोई भी भारतीय यात्री फंसा हुआ नहीं है।” विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत नेपाल सरकार की जरूरतों के अनुसार उसकी सहायता जारी रखेगा। उन्होंने कहा, “हम नेपाल सरकार के अनुरोध पर और अधिक फॉरेंसिक किट, बेली पुल और अन्य सामग्री भेजने की योजना बना रहे हैं।” जायसवाल ने बताया कि भारत अब तक सात विमानों के जरिए करीब 95 टन राहत सामग्री नेपाल भेज चुका है। उन्होंने कहा, “राहत सामग्री के अलावा, हमने नेपाल में राहत और बचाव कार्यों में सहायता के लिए 54 कर्मियों को भी भेजा है। इनमें 30 सुरंग

ओडिशा में बाढ़ की स्थिति में हुआ सुधार, अब भी दो लाख लोग प्रभावित

भुवनेश्वर, (भाषा)।

ओडिशा में शुक्रवार को बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ और सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर घटने लगा। हालांकि, राज्य के दो जिलों के 303 गांवों में अब भी करीब दो लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बालासोर जिले के 241 गांवों में 1,90,974 लोग और जाजपुर जिले के 62 गांवों में 7,745 लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य सरकार मयूरभंज, कयोंझर, केंद्रापड़ा और भद्रक समेत अन्य जिलों में भी राहत और बचाव अभियान चला रही है। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित लोगों तक नावों के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव अभियान के लिए प्रभावित इलाकों में ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अग्निशमन सेवा के कर्मियों की 28 टीमें तैनात की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि बालासोर जिले में 111 और जाजपुर जिले में 22 राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार, बालासोर जिले में 16,582 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर राहत शिविरों में ठहराया गया है। मुख्य अभियंता दिलीप कुमार राउत ने कहा, राज्य की किसी भी प्रमुख नदी में अब बाढ़ की स्थिति नहीं है। जल संसाधन विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, बालासोर जिले में भारी तबाही मचाने वाली सुवर्णरेखा नदी, जिसकी वजह से करीब दो लाख लोग प्रभावित हुए, राजघाट में 10.36 मीटर के खतरे के निशान से नीचे बह रही थी और जलस्तर लगातार घट रहा था। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने शाम के बुलेटिन में कहा कि आठ सितंबर तक ओडिशा के किसी भी हिस्से के लिए बारिश की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि, कुछ एक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

मसूरी के व्यू प्वाइंट से नीचे गिरने से दिल्ली के युवक की मौत

देहरादून, (भाषा)।

उत्तराखंड के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल मसूरी में शुक्रवार तड़के दिल्ली निवासी 25 वर्षीय एक युवक की कथित तौर पर व्यू प्वाइंट से नीचे गिरने से मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान दिल्ली के भोगल क्षेत्र निवासी शिवम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, घटना लाइब्रेरी चौक के पास व्यू प्वाइंट में हुई जहां शिवम नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

पॉलिसी लेते समय शराब की लत का खुलासा किया था तो दावा खारिज नहीं कर सकती बीमा कंपनी : उपभोक्ता आयोग

मुंबई, (भाषा)।

नागपुर के उपभोक्ता आयोग ने एक जीवन बीमा कंपनी को एक विधवा को 50 लाख रुपये से अधिक का भुगतान करने का निर्देश दिया है। आयोग ने अपने फैसले में कहा कि यदि मृतक ने बीमा पॉलिसी खरीदने से पहले ही शराब पीने की लत का खुलासा कर दिया था, तो बीमा दावे को खारिज करना “सेवा में कमी” माना जाएगा।

उपभोक्ता मंच ने उच्चतम न्यायालय के उन आदेशों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि उच्च रकचाप और मधुमेह जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के आधार पर बीमा दावे को खारिज नहीं किया जा सकता, भले ही

जीवित् शतम्

सेवाभावी व्यक्तित्व के धनी

ड्रीम्स होंडा बालाघाट के प्रबंध निदेशक

रोटे. कमलजीत सिंह द्वाबड़ा जी

को जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई, शुभकामनाएं..

शुभेच्छु

ड्रीम्स होंडा परिवार

रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल मुलना खेल परिसर समिति

कदम संस्था

नेहरु स्पोर्टिंग क्लब

जिला टेनिस एसोसिएशन

जिला कबड्डी संघ

संस्कृति एवं साहित्य शोध समिति

इतिहास एवं पुरातत्व शोध एवं समस्त शुभचिंतक..

कोविड लॉकडाउन में फर्जी विवाह के लिए सरकारी धन बांटने वाले पूर्व पंचायत सीईओ को ईडी ने गिरफ्तार किया

भोपाल, (भाषा)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान सार्वजनिक गतिविधियों पर प्रतिबंध के बावजूद निर्माण श्रमिकों की बैठियों के विवाह के लिए निर्धारित सरकारी धन फर्जी तरीके से वितरित करने के आरोप में मध्यप्रदेश की एक जनपद पंचायत के पूर्व सीईओ को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है।

बेटियों के विवाह के लिए 51,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। ईडी ने बताया कि त्रिपाठी ने 2019 से 2021 के बीच अपने कार्यकाल के दौरान कुछ अन्य लोगों के साथ मिलीभगत कर विवाह सहायता के संदिग्ध मामलों में 30.18 करोड़ रुपये की सरकारी राशि मंजूर कर वितरित की। एजेंसी ने कहा, “झूठे दस्तावेजों के आधार पर खोले गए या दुरुपयोग किए गए बैंक खातों में राशि अंतरित की गई और उसे तुरंत कई किस्तों में नकद निकाल लिया गया।” ईडी ने कहा कि जांच में यह भी पाया गया कि अपात्र लोगों को योजना का लाभ दिया गया तथा कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान भी सहायता राशि वितरित की गई, जब सार्वजनिक विवाहों पर रोक थी। ईडी ने भोपाल पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज प्राथमिकी का संज्ञान लेने के बाद त्रिपाठी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफमामला दर्ज किया।

रमन कुमार मेठी

हैंडलूम हाउस

दरिया • मीटिंग • कार्पेट • डोरमेदस

शॉल • ब्लैकट • स्कूल की भोजन पट्टियां

ताड़पत्री • मच्छरदानी • ग्रीन नेट

चादर • बेड शीट्स

के थोक व चिल्लर सिकता..

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...

सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेद

मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदरोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र

कमर का दर्द

घुटनों का दर्द

पित्त का दर्द

गर्दन व कंधों का दर्द

आमवात, गठीया वात एवं सायटिका

डॉ. अर्पणा खोब्रागडे

B.A.M.S., M.D. (Nashik)

आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक

7620340356

साकेत पब्लिक स्कूल रोड, गणेश नगर, गोंदिया

07182-796738

CMYK

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुंवर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियों सुधारी जाती है।

HERO, BAJAJ, HONDA, TVS, मनीष वर्मा
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

सेवा और समर्पण के भावों से प्रतिभाओं के प्रोत्साहन में दे रहे अहम योगदान..

बालाघाट के रोटेरियन कमलजीत सिंह छाबड़ा निभा रहे मातृभूमि के प्रति बेमिसाल कर्तव्य.. जन्मदिवस पर विशेष..

संक्षिप्त जीवन परिचय..

सेवा और समर्पण के भावों को हमेशा अपने हृदय में स्थान देने वाले बालाघाट के युवा व्यवसायी रोटेरियन कमलजीत सिंह छाबड़ा के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार कमलजीत सिंह छाबड़ा का जन्म 5 सितम्बर सन् 1974 में पिता श्री कुलदीप सिंह जी छाबड़ा एवं श्रीमती दिलीप कौर जी छाबड़ा के परिवार में दो भाई एवं दो बहनों में बड़े सुपुत्र के रूप में हुआ। आपने प्रारंभिक शिक्षा बालाघाट इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल एवं उच्च शिक्षा जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय से प्राप्त की और बी कॉम की डिग्री प्राप्त की। इसके उपरांत आप व्यवसाय क्षेत्र में आ गए, और सपना फार्निश के नाम से टू व्हीलर फार्निश कंपनी की शुरुआत की।

शुरु किया। देखते ही देखते धीरे धीरे बाजार में एक्टिवा वाहनों को पसंद किया जाने लगा, और तब जब बाजार में होंडा वाहनों ने अपनी जगह बनाना शुरु किया, तब होंडा की डीलरशिप के लिये भी बड़े प्रयास भी किये गए, लेकिन कंपनी ने होंडा वाहनों के प्रति कमलजीत सिंह छाबड़ा के परिश्रम को देखते हुए उन्हें ही अवसर दिया, और आज विगत 20 वर्षों से कमलजीत सिंह छाबड़ा और उनकी फर्म डीम्स होंडा और होंडा कंपनी एक दूसरे के पूरक के रूप में पहचाने जाते हैं।

प्रतिभाओं के प्रोत्साहक, और रोटी वलब सदस्य के रूप में किये सामाजिक कार्य..

गौरतलब है कि व्यवसाय को स्थापित करने के साथ साथ कमलजीत सिंह छाबड़ा सिर्फ व्यवसाय तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने अपने नागरिक कर्तव्य को भी समझा, और रोटी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल जैसे सामाजिक संगठन से जुड़कर वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर, बालाघाट उत्सव मेला, स्कूली बच्चों को शैक्षणिक सामग्रीयों के वितरण, जरूरतमंदों की आर्थिक सेवाओं के कार्य करने के साथ ही विभिन्न खेल एवं सामाजिक संगठनों से जुड़कर विगत अनेक वर्षों से कमलजीत सिंह छाबड़ा प्रतिभाओं के प्रोत्साहक के रूप में मदद के हाथ बढ़ाने में भी योगदान दे रहे हैं, और इसका परिणाम है कि खेल एवं सामाजिक सांस्कृतिक क्षेत्र में भी बालाघाट ने कमलजीत सिंह छाबड़ा जैसे सेवाभावी व्यक्तित्व के सानिध्य में एक अहम मुकाम भी हासिल किया है। जगप्रेरणा परिवार कमलजीत सिंह छाबड़ा को उनके जन्मदिवस पर स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना करते हुए शुभकामनाएं अर्पित करता है।

इंटर स्टेट कराटे चैंपियनशिप में बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने जीते 38 स्वर्ण, 15 रजत पदक 10 कांस्य पदक..

जगप्रेरणा बालाघाट।

इंटर स्टेट कराटे

चैंपियनशिप

प्रतियोगिता का

आयोजन गत दिवस

किया गया, जिसमें

प्रदेश के 11 शहर की

टीमों ने हिस्सा लिया

था। जिसमें खिलाड़ी

बालाघाट, इंदौर

उज्जैन, धार, बुरहानपुर,

छत्तीसगढ़, रायपुर,

बलोदा बाजार, रायगढ़

बिलागढ़ के शामिल

हुये थे। इस प्रतियोगिता

में बालाघाट के खिलाड़ियों

ने 38 स्वर्ण पदक, 15 रजत

पदक व 10 कांस्य पदक

हासिल किया। जानकारी अनुसार

इंटर स्टेट में पदक विजेता खिलाड़ी स्वर्ण पदक विजेता

खिलाड़ी मौली कावरे, शिक्षा कावरे, अनिल सावनकर

विनीता उडके शुशांक पारशी, वंश बर्वे, हिमांशु डोंगरे,

जिया खान, हुमायरा खान, विराट चौधरी, रिया

राकेशीय, दीवता राउत, उमंग जंधेले, वेद मंडावी,

साक्षी दादरे, साक्षी खैरकर, नेहा झाडे, डाली माहुकर,

सरयम बर्वे आरोही, शरणांग टैनिंसो बागरे, ईशा

अवदवाल, चरवी बोपचे, लक्ष्य पाचे मान्या कटरे

,शिवम बर्वकर ने जीता।

इसी तरह रजत पदक में खिलाड़ी लावण्या चौधरी,

श्री सातपुरे, रागिनी पटले, अक्षरा पाचे, उज्जित मारबते,

रिया जमारे मंथन कवाडे, अदिति चौकसे, रिहान,

आराध्या धुवारे शामिल है। इसी तरह कांस्य पदक

विजेता खिलाड़ी ,एंजेल कावरे निमा बांगडे, आदेश

रजक प्रज्ञा यादव, लेयंश मात्रे, काव्य राणा, हर्षिता

गौतम, मन्नत शामिल है। जिनका सम्मान समारोह

मुलना स्टेडियम कराते प्रशिक्षण केंद्र बालाघाट में 3



सितंबर को आयोजित किया गया था। जिसके मुख्य अतिथि उम्वेद सिंह भाटी जनरल मैनेजर मॉयल बालाघाट, अध्यक्षता किरण भाई त्रिवेदी अध्यक्ष कराते प्रशिक्षण केंद्र बालाघाट और विशेष अतिथि जी. पी. बर्मन जिला परियोजना अधिकारी बालाघाट, प्रशिक्षक इशांत महंत छत्तीसगढ़, अभय शतकरी इंदौर रहे। जिनके हस्ते सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरुस्कृत कर सम्मानित किया गया। वहीं कराते बच्चों की सफलता पर संस्था के संरक्षक उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सरस्वती चंद्रकांत पीपलेवार कोषाध्यक्ष, सरिता केवल सोनेकर, सदस्य राजेंद्र बल्ले, अमर सिंह ठाकुर, संजु मेश्राम, शुभम मनेश्वर, साक्षी खैरकर एवं जिला खेल एवं कल्याण विभाग जिला खेल अधिकारी राहुल बरेसा, विभागीय पदाधिकारी योगेंद्र पटले, केदार ठाकरे, अरविंद पटले, धीरज डोंगरे, दीपक औचट, लव नागपुर, दिव्या मोहरे, प्रज्ञात वासनिन तथा सभी युवा समन्वयक द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया है।

हाउसिंग बोर्ड के आवंटियों को बड़ी राहत, बकाया लीज रेंट चुकाने पर मिलेगी विशेष छूट

‘वन टाइम सेटलमेंट’ योजना की अवधि 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़ी, बालाघाट के आवंटियों को भी मिलेगा लाभ

जगप्रेरणा बालाघाट। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड ने अपने आवंटियों को बकाया लीज रेंट (भू-भाटक) जमा करने पर विशेष छूट का लाभ देने के लिए संचालित ‘वन टाइम सेटलमेंट’ (हड़स-एकमुश्त समाधान) योजना की अवधि बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2026 कर दी है। इससे बालाघाट सहित प्रदेशभर के हाउसिंग बोर्ड के ऐसे आवंटियों को राहत मिलेगी, जिनका लीज रेंट बकाया है। छूट के संबंध में मंडल के अध्यक्ष श्री ओम जैन द्वारा निर्णय लिया गया है आर मंडल के आयोग द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के सहायक यंत्री श्री जयंत देशमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि आवंटियों को बकाया लीज रेंट की राशि एकमुश्त जमा करने पर नियमानुसार विशेष छूट प्रदान की जाएगी। योजना की पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 थी, जिसे अब बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2026 कर दिया गया है। इस निर्णय से प्रदेशभर में 50 हजार से अधिक आवंटियों को लाभ मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत एकमुश्त भुगतान करने पर बकाया लीज रेंट पर निम्नानुसार विशेष छूट का प्रावधान है। योजना के अन्य नियम एवं शर्तें पूर्व निर्धारित अनुसार ही लागू रहेंगी। 31 अक्टूबर 2026 के बाद इस विशेष छूट का लाभ नहीं मिल सकेगा।

बालाघाट के आवंटियों से योजना का लाभ लेने की अपील

सहायक यंत्री श्री जयंत देशमुख ने बालाघाट क्षेत्र की हाउसिंग बोर्ड प्रेनगर कॉलोनी एवं दीनदयाल पुरम कॉलोनी के भवन सेवाधियों से अपील की है कि वे योजना की अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते अपने बकाया लीज रेंट की राशि एवं उस पर मिलने वाली छूट की जानकारी प्राप्त कर एकमुश्त भुगतान करें। आवंटि अपने बकाया राशि तथा उस पर मिलने वाली छूट का विवरण प्राप्त करने के लिए संबंधित हाउसिंग बोर्ड कार्यालय में कार्यपालन यंत्री/संपत्ति अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। मंडल प्रशासन द्वारा मैदानी अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि अधिक से अधिक आवंटियों को इस योजना की जानकारी देकर इसका लाभ दिलाया जाए। श्री देशमुख ने कहा कि ‘वन टाइम सेटलमेंट’ योजना आवंटियों के लिए बकाया लीज रेंट का एकमुश्त समाधान करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इसलिए पात्र आवंटि 31 अक्टूबर 2026 तक योजना का लाभ अवश्य लें।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया नगर एवं जिला शाखा बालाघाट का पुनर्गठन (निर्वाचन) 13 सितंबर

म.प्र.पदाधिकारियों द्वारा सन्मन्न किया जावेगा निर्वाचन

जगप्रेरणा बालाघाट।

भारतीय बौद्धों की सर्वोच्च सामाजिक धार्मिक संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया अर्थात भारतीय बौद्ध महासभा जिसके राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं ट्रस्टी बोधिसत्व डॉ.बाबासाहेब आम्बेडकर जी के पौत्र डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर जी मुंबई है। उनके कुशल नेतृत्व एवं निर्देश से धम्म संस्था के माध्यम से संपूर्ण देश में बौद्ध धम्म का करवा निरंतर गतिमान हो रहा है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश में संस्था के राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे जी के कुशल नेतृत्व में धम्म का कारवां निरंतर गतिमान हो रहा है।

जिला एवं नगर शाखा बालाघाट मप्र का कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत दिनांक 13 सितंबर 2026 दिन रविवार को दोपहर 12 बजे से स्थानीय शिवमंगल भवन बूढ़े रेल्वे प्लटक के पास बालाघाट में शाखा पुनर्गठन अर्थात निर्वाचन समारोह आयोजित किया गया है। इस निर्वाचन प्रक्रिया के निर्वाचन पदाधिकारी एवं अध्यक्षता डॉ. चरनदास ढेंगरे जी अध्यक्ष एवं केन्द्रीय शिक्षक म.प्र. करेंगे। निर्वाचन पदाधिकारी एवं प्रमुख अतिथि डॉ.उत्तम प्रधान जी महामंत्री एवं केन्द्रीय शिक्षक म.प्र.,डॉ.शांताराम जी वाघ सर उपाध्यक्ष एवं केन्द्रीय शिक्षक म.प्र. इंदौर, बी.सी.सहारे जी कोषाध्यक्ष मप्र(भोपाल)एवं हेमलता डोंगरे उपाध्यक्ष तथा केन्द्रिय शिक्षक म.प्र. बालाघाट,आर.के.कठारे प्रदेश सचिव म.प्र.एवं राजकपुर कामदे प्रदेश कार्यालय सचिव म.प्र. बालाघाट के द्वारा इस निर्वाचन प्रक्रिया को सम्पन्न किया जायेगा। अतः बालाघाट जिले के सभी तहसील,नगर, ग्राम तथा वार्ड के समस्त धम्म बंधुओ,डॉ.आंबेडकर एवं मानवतावादी महापुरुषों की विचारधारा मानने वाले सभी साधियों से अनुरोध है कि संस्था के सदस्य बनकर संस्था निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेकर शाखा मजबूत करें ताकि धम्म मिशन का कारवां गति से गतिमान किया जा सके।

बालाघाट जिला प्रशासन एवं सरकार को 15 दिन का समय देकर

बैगा बच्चों की मौत के मामले में चल रही हड़ताल को 14 दिन बाद आंदोलनकारियों ने किया स्थगित

मांगें पूरी नहीं हुईं तो फिर शुरु होगा आंदोलन; 25 लाख मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग



ने कहा कि बैगा आदिवासी बच्चों की मौत के बाद क्षेत्र में व्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, मूलभूत समस्याओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के खिलाफ करीब 14 दिन पहले अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की गई थी। आंदोलन के दौरान मृत बच्चों के परिवारों को

न्याय दिलाने, क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करने तथा बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग लगाता उठाई गई।

यह भी बोले आंदोलनकारी..

प्रमुख मांगों में मृत बैगा आदिवासी बच्चों के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने के साथ ही प्रत्येक प्रभावित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग शामिल है। इसके अलावा आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था, सड़क और शिक्षा सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई है। आंदोलनकारियों ने बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ निलंबन सहित कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग भी की है। आंदोलनकारी ललित उडके ने बताया कि 3 सितंबर को बालाघाट बंद के दौरान आंदोलनकारियों द्वारा जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन के माध्यम से विभिन्न मांगों को प्रशासन के समक्ष रखते हुए कार्रवाई के लिए एक माह का समय दिया गया था। प्रशासन की ओर से भी मांगों पर 30 दिनों के भीतर कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया गया। आंदोलनकारियों ने 30 दिन के बजाय 15 दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई करने की मांग की है। प्रशासन से मिले आश्वासन के बाद फिलहाल अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित का निर्णय लिया गया।

15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो फिर हड़ताल पर

सत्येंद्र इनवाती ने कहा कि प्रशासन को 15 दिन का समय दिया गया है। यदि इस अवधि में मांगों को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो आंदोलनकारी दोबारा जनपद पंचायत के सामने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी आंदोलन को पहले की अपेक्षा और व्यापक स्तर पर किया जाएगा तथा मांगों का समाधान होने तक विरोध जारी रखा जाएगा।

सिर्फ मुआवजा नहीं, व्यवस्था में बदलाव की मांग

आंदोलनकारियों ने कहा कि बैगा आदिवासी बच्चों की मौत का मामला केवल आर्थिक मुआवजे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं की बदहाली से जुड़ा गंभीर विषय है। उनका कहना है कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में समय रहते बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, चिकित्सा व्यवस्था और आवश्यक संसाधन उपलब्ध होते तो परिस्थितियां अलग हो सकती थीं। आंदोलनकारियों ने कहा कि प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता देना जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही उन परिस्थितियों को भी बदलना होगा जिनके कारण आदिवासी अंचलों में लोगों को स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इसलिए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई के साथ-साथ व्यवस्था में स्थायी सुधार की मांग की गई है।

विज्ञापन आमंत्रित है..

मो. हासिब खान

जिला सिवनी

संपर्क - मो. 7898530101

जग प्रेरणा

live

3

शनिवार 05 अगस्त 2026

जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

संपादक पर चाकू से हमले का प्रयास, एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने की कड़ी कार्रवाई की मांग..

जगप्रेरणा सिवनी।
जिले में पत्रकारों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। दैनिक महाकौशल एक्सप्रेस के संपादक शमीम खान पर बीते दिन सुबह दो अज्ञात

नकाबपोश युवकों ने चाकू से हमला करने का प्रयास किया। गंभीर रही कि संपादक ने सज़बूझ दिखाते हुए अपनी जान बचा ली, वरना बड़ी अनहोनी हो सकती थी। घटना 3 सितंबर की सुबह करीब 8 बजे की है। शमीम खान अपने पुत्र को स्कूल छोड़कर अपने दोपहिया वाहन से घर लौट रहे थे।

तभी मोपेड पर सवार दो नकाबपोश युवकों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया।

बड़ी ज़्यारात स्थित शिवहरे क्लीनिक के पास आरोपियों ने उनका वाहन रोकने का प्रयास किया और पीछे बैठे युवक ने चाकू निकालकर उन पर

एसपी को दी लिखित शिकायत..

घटना के बाद पत्रकार शमीम खान ने पुलिस अधीक्षक सिवनी को लिखित शिकायत देकर पूरे मामले से अवगत कराया है। उन्होंने आरोपियों की जल्द पहचान कर गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही घटना स्थल बड़ी ज़्यारात और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की



वार करने की कोशिश की। शमीम खान ने हिम्मत और सज़बूझ का परिचय देते हुए वाहन की रफ़्तार बढ़ा दी और वहां से निकल गए। आरोपियों ने कुछ दूरी तक उनका पीछा भी किया, लेकिन वे बचने में सफल रहे।

भी मांग की है, ताकि आरोपियों की पहचान हो सके।

क्या सच लिखने की सजा है चाकू-गोली?

इस घटना के बाद सिवनी के पत्रकार जगत में भारी आक्रोश है। सवाल उठ रहा है कि जब जिले में एक संपादक ही सुरक्षित नहीं है तो आम

एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने की कार्रवाई की मांग..

एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के जिला प्रभारी प्रीलासर जर्नलिस्ट जितेन्द्र सिंह ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि आरोपियों को जल्द चिन्हित कर गिरफ्तार किया जाए और इस हमले के पीछे कोई साजिश या किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका है तो उसकी भी गहनता से जांच की जाए। जितेन्द्र सिंह ने कहा, ‘संपादक पर हमला पूरे पत्रकार जगत पर हमला है। हम इसकी घोर निंदा करते हैं। पुलिस प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए ताकि पत्रकार निर्भय होकर अपना काम कर सकें।’ उन्होंने प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मांग की है कि प्रदेश के पत्रकारों को सुरक्षा प्रदान की जाए और पत्रकार सुरक्षा कानून को सख्ती से लागू किया जाए। फिलहाल पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

नागरिकों की सुरक्षा कितनी मजबूत है? पत्रकारों के बीच चर्चा है कि क्या आज सच लिखने, भ्रष्टाचार उजागर करने की कीमत जेल, चाकू या गोली बनती जा रही है? यह हमला सिर्फ एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला है।

बरघाट एवं केवलारी विकासखंड प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन कार्यकारिणी का हुआ गठन..

बरघाट से राजूलाल सिंह यादव एवं केवलारी से संजय..

जगप्रेरणा सिवनी।
प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन संचालक मंच सिवनी जिला कार्यकारिणी द्वारा जारी समयसारणी अनुसार बरघाट एवं केवलारी विकासखंड के समस्त निजी स्कूल संचालकों की



बघेल, उपाध्यक्ष शिवराज चैरे, ब्रजेश खरे, अजय ठाकुर सचिव सुरेश राणा, कोषाध्यक्ष, मुकेश चौरसिया एवं सहसचिव प्रभुदयाल चौधरी को नियुक्त किया गया।

प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन संचालक मंच प्रदेश अध्यक्ष शैलेश तिवारी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष शिवकुमार हरिनखेड़े, विधिक सलाहकार जनक तिवारी, जिला पदाधिकारी नीरज साहू, अजय पाल की उपस्थिति में दोनों ही विकासखंड के निजी स्कूल संचालकों की गरिमामयी उपस्थिति में निर्वाचन संपन्न हुए। प्रदेश व जिला पदाधिकारियों में नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए निजी

स्कूल संचालकों, विद्यार्थियों एवं पालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करने का आग्रह किया।

धनौरा एवं घंसौर की कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार 6 सितंबर को..

संगठन के जिला मीडिया प्रभारी शुभम सोनी द्वारा जारी वृत्तिसि अनुसार धनौरा एवं घंसौर की कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार 6 सितंबर को दोनों ही विकासखंड में जिला पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया जावेगा। कार्यकारी अध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत ने दोनों ही विकासखंड के समस्त स्कूल संचालक साथियों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के लिए निवेदन किया है।

सकारात्मक पहल : जन्मदिन की पूर्व संध्या पर 51 पौधों का रोपण..

जगप्रेरणा छपारा।
नगर के पूर्व युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान भाजपा खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक जयदीप सिंह चौहान ने अपने जन्मदिवस को यादगार बनाते हुए।

जन्मदिन की पूर्व संध्या पर अपने गृह ग्राम छपारा खुर्द स्थित मुक्तिधाम में 51 पौधों का रोपण किया।

बुधवार शाम को रिमझिम बारिश के बीच विभिन्न प्रजाति के पेड़ जिनमें पीपल, बरगद, आम, बादाम, जामुन, बेलपत्र, गुलमोहर,जाम और कदम सहित कई प्रजातियों के पौधे लगाए गए। साथ ही इन पौधों के देख



रेख का संकल्प भी लिया गया, साथ ही प्रकृति के नाम एक संकल्प लिया गया कि उक्त पौधे आने वाली पीढ़ियों के नाम एक उपहार रहेंगे।

इस अवसर पर छपारा नगर सहित क्षेत्र के सामाजिक एवं गणमान्य नागरिकों तथा परिवारजनों उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कार्यालय मे मनाई जायेगी भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी की जयंती..

जगप्रेरणा सिवनी।
पूर्व राष्ट्रपति महान् शिक्षाविद्भूत भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती जिला कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन सिवनी में दिनांक 05/ 09/ 2026, दिन शनिवार को दोपहर 12 बजे मनाई जाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने समस्त कांग्रेस जनों से कार्यक्रम में उपस्थिति हेतु अपील की है।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी

डॉ. आमिर अंसारी

MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FSCIP

डॉ. समीर आमिर अंसारी

MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS

शिशुओं का सख्त

सुबह 10 बजे से 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक

हॉस्पिटल

विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध

पता- बड़ी ज़्यारात डालडा केवटी रोड अकबर वाड सिवनी

मो. - 8817448039

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक ‘जगप्रेरणा’ अब व्हाट्सअप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

ग्लोबल लॉ कॉलेज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण आयोजन..

जगप्रेरणा सिवनी।
ग्लोबल लॉ कॉलेज, सिवनी में दिनांक 4 सितंबर 2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के डायरेक्टर, HOD, समस्त शिक्षकगण, प्रशासनिक स्टाफएवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ एवं मंच संचालन कविता विजौरिया द्वारा अत्यंत सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, व्यक्तित्व, मित्रता, कर्मयोग एवं उनके द्वारा दिए गए जीवन-दर्शन पर सारागर्भित विचार प्रस्तुत किए गए।

मंच संचालन के पश्चात महाविद्यालय के डायरेक्टर साकिब खान द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं व्यक्तित्व पर आधारित अत्यंत प्रेरणावर्धक एवं ज्ञानवर्धक कविता का भावपूर्ण पाठ किया गया। उनकी कविता में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन, कर्म, धर्म, साहस एवं मानव जीवन के लिए उनके प्रेरणादायी संदेशों को सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। उनकी ओजपूर्ण एवं भावपूर्ण कविता ने उपस्थित सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों को प्रभावित किया तथा कार्यक्रम में एक नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार किया। साथ ही साकिब सर की गरिमामयी उपस्थिति एवं उनकी प्रेरणादायी कविता ने कार्यक्रम की गरिमा एवं भव्यता में चार चाँद लगा दिए।



महाविद्यालय के HOD सलीम खान ने भगवान श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व एवं उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें बुद्धिमत्ता, साहस, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ एवं विपरीत परिस्थितियों में भी सही मार्ग चुनने की प्रेरणा देता है।

ब्रजेश भार्गव ने भगवान श्रीकृष्ण एवं उनके परम मित्र सुदामा के संबंध का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि सच्ची मित्रता में धन-दौलत या पद का कोई महत्व नहीं होता, बल्कि प्रेम, विश्वास, सम्मान एवं आत्मीयता ही मित्रता की वास्तविक पहचान है। श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता आज भी सच्चे संबंधों का अनुपम उदाहरण है।

कार्यक्रम में राहुल सर ने छात्र-छात्राओं से संवाद किया..

इस अवसर पर नीति जैन मैडम ने श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन को विद्यार्थियों के जीवन से जोड़ते हुए प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गोली चंद्रवंशी समाज की ऐतिहासिक शोभायात्रा एवं रैली..



जगप्रेरणा छपारा।
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर क्षेत्रीय गोली चंद्रवंशी समाज के द्वारा एक ऐतिहासिक शोभायात्रा एवं रैली निकाली गई। भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष के साथ निकली यह रैली पूरे नगर में आकर्षण का केंद्र

रैली का भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत-सम्मान किया गया। मेन रोड चौराहा, आजाद वाई में भाजपा मंडल अध्यक्ष

अर्जुन सिंह के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों ने गोली चंद्रवंशी समाज संगठन के पदाधिकारियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवनीत सिंह, मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सह-संयोजक जयदीप सिंह चौहान, राजेश जैन, पितेन्द्र सिंह ठाकुर, धर्मेन्द्र सिंह, मुकेश मनमौजी, राजेश श्रीमाली, पं. राघवेन्द्र सिंह, सुनील गोयल, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती निशा सुरेश

कि जीवन में परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, हमें डरकर पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने श्रीमद्भगवगीता के कर्मयोग के संदेश को विद्यार्थियों के समक्ष रखते हुए कहा कि सबसे पहली लड़ाई हमें अपने आप से जीतनी होती है। जब हम अपने भय, आलस्य, असमंजस और नकारात्मक विचारों पर विजय प्राप्त कर लेते हैं, तभी बाहरी चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होता है।

कार्यक्रम के अंत में याशिका मैडम द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों, डायरेक्टर, HOD, समस्त शिक्षकगण, प्रशासनिक स्टाफएवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। अंततः श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए केवल एक धार्मिक उत्सव न रहकर श्रीकृष्ण के जीवन-मूल्यों, कर्मयोग, मित्रता, साहस, धैर्य एवं आत्मविश्वास से प्रेरणा लेने का महत्वपूर्ण अवसर बना।

उचित मूल्य दुकानों की जांच में अनियमितता मिलने पर की जाएगी सख्त कार्रवाई..

जगप्रेरणा सिवनी।
कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सुचारू क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य विभाग द्वारा जिले की उचित मूल्य दुकानों का सतत निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण किया जा रहा है।

अब तक जिले में 155 उचित मूल्य दुकानों की जांच की गई है, जिनमें से 17 दुकानों में खाद्यान्न वितरण से संबंधित अनियमितताएं पाए जाने पर मध्यप्रदेश सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के न्यायालय में प्रस्तुत किए गए हैं। संबंधित विक्रेताओं एवं कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर सुनवाई की कार्यवाही की जा रही है।

विकासखंड लखनादौन की उचित मूल्य दुकान धनककड़ी की जांच में गेहूं का 65.44 क्विंटल एवं चावल का 22.44 क्विंटल स्टॉक कम पाया गया। साथ ही हितग्राहियों से बायोमैट्रिक सत्यापन कराने के बाद भी खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कराने की गंभीर अनियमितता सामने आई। इस पर विक्रेता श्री ब्यास उड्डके के विरुद्ध थाना धूमा में प्राथमिकी

दर्ज कराई गई है। इसी प्रकार उचित मूल्य दुकान सहसना में अनियमितता पाए जाने पर विक्रेता श्री कुंअर ककोड़िया को खाद्यान्न वितरण कार्य से पृथक् किया गया है।

विकासखंड धनौरा की उचित मूल्य दुकान आरती स्वसहायता समूह में खाद्यान्न वितरण में अनियमितता पाए जाने पर दुकान को निलंबित कर उचित मूल्य दुकान पिंड्रबोरी से संलग्न किया गया है। दुकान की विक्रेता श्रीमती ममता कुर्वेली के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। वहीं धनौरा उचित मूल्य दुकान की विक्रेता श्रीमती नेमलता उड्डके द्वारा माह अगस्त एवं सितंबर 2026 में 138 हितग्राहियों का बायोमैट्रिक सत्यापन होने के बावजूद खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कराने की गंभीर अनियमितता पाए जाने पर उन्हें खाद्यान्न वितरण कार्य से पृथक् कर निलंबित किया गया है। संबंधित समिति प्रबंधक को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

विकासखंड केवलारी की उचित मूल्य दुकान उगली की जांच में गेहूं 101.09 क्विंटल, चावल 69.11 क्विंटल एवं नमक 8.35 क्विंटल कम पाया गया। इस पर विक्रेता श्री मुरलीधर बिसेन एवं समिति प्रबंधक श्री क्षितिज नरताम से खाद्यान्न की वसूली की कार्रवाई की जा रही है।

विकासखंड सिवनी की उचित मूल्य दुकान भाटीवाड़ा (मेहलोन) में मई-जून माह के वितरण हेतु हितग्राहियों का बायोमैट्रिक सत्यापन कराने के बावजूद खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कराने पर विक्रेता

श्रीमती उमा उड्डके, सहायक विक्रेता श्री बर्मान उड्डके एवं समूह अध्यक्ष ययामा उड्डके के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। दुकान को निलंबित कर खाद्यान्न की वसूली की कार्रवाई की जा रही है। इसी प्रकार उचित मूल्य दुकान चीचबंद में स्टॉक की कमी एवं जून माह में 189 हितग्राहियों को खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कराने पर दुकान निलंबित कर विक्रेता श्री हसीब अंसारी एवं प्रबंधक श्री संपत राव चौहान से खाद्यान्न वसूली की कार्रवाई की जा रही है।

इसके अतिरिक्त विकासखंड सिवनी की गोपालगंज, मोहागव (चावड़ी), दुकली, जमुनिया-पुलारा, भटेखारी एवं मनौरी तथा विकासखंड कुरई की धोबीसरा, मोहागव, पाटन एवं पिंडरई बुड़े स्थित उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न वितरण एवं स्टॉक में कमी संबंधी अनियमितताएं पाए जाने पर खाद्यान्न वसूली सहित नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य विभाग द्वारा उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा। निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी, स्टॉक में कमी अथवा हितग्राहियों के बायोमैट्रिक सत्यापन के बावजूद खाद्यान्न वितरण नहीं किए जाने जैसी अनियमितताएं पाए जाने पर मध्यप्रदेश सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत प्रकरण दर्ज कर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

लालबर्बा, बैहर, परसवाड़ा

कनकी, बेहरई, खमरिया, जाम, उकवा, मलाजखंड, बिरसा, गढ़ी, लामटा, चांगोटोला..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

बारिश भी नहीं रोक सकी गढ़वाल समाज का उत्साह, भव्य भुजलिया मिलन समारोह संपन्न..

हितेश अजीत, जगप्रेरणा बालाघाट।

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महिला प्रकोष्ठ भरवेली के तत्वावधान में बुधवार, 2 सितंबर 2026 को ग्राम पंचायत हीरापुर के सामुदायिक भवन में ऐतिहासिक एवं भव्य भुजलिया मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के प्रतीक इस पारंपरिक पर्व में समाज के सैकड़ों प्रबुद्ध जन, माताएं और बहनें एकजुट हुईं। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को भुजलिया भेंट कर रिश्तों में मित्रता बढ़ाई और पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम दोपहर में निर्धारित था, लेकिन तेज बारिश के कारण समारोह शाम करीब 5 बजे शुरू हो सका। मौसम की बाधा के बावजूद समाजजनों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई।

भरवेली सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में माताएं, बहनें एवं सामाजिक जन समारोह में पहुंचे। देर शाम तक चले इस आयोजन ने गढ़वाल समाज की एकता और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जुड़ाव की मजबूत तस्वीर प्रस्तुत की। समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट रेखा बिसेन रहीं।

प्रमुख अतिथि सरपंच ग्राम पंचायत हीरापुर शांति गुड़ड़ा दीवान एवं पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत भरवेली गीता अनिल बिसेन



रहीं। कार्यक्रम में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के अध्यक्ष रवीन्द्र नागेश्वर, कोषाध्यक्ष प्रदीप खरे, प्रवक्ता अमर हिरेन्द्रवार, वरिष्ठ संरक्षक खुमेश अजीत एवं युवा प्रकोष्ठ महासभा के अध्यक्ष राहुल शिववंशी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल भरवेली के अध्यक्ष हीरालाल ब्रम्हे अस्वस्थ होने के कारण समारोह में शामिल नहीं हो सके। वे वर्तमान में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। समाजजनों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षता में हुआ आयोजन

भव्य समारोह की अध्यक्षता महिला प्रकोष्ठ भरवेली की अध्यक्ष सत्यभामा अजीत ने की।

कार्यक्रम का सुव्यवस्थित एवं कुशल संचालन अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल भरवेली के सचिव कमलेश अजीत ने किया। उनकी प्रभावी वक्तृत्व शैली और मंच संचालन ने कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया। आयोजन को सफल बनाने में महिला मंडल एवं वरिष्ठ सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महिला मंडल भरवेली की सचिव रानू शिवाले, कोषाध्यक्ष सुलोचना गोयल, उपाध्यक्ष किरण नागवंशी तथा महिला मंडल भरवेली की लता ब्रम्हे का विशेष योगदान रहा। वहीं अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल भरवेली के वरिष्ठ सलाहकार इंद्र कुमार बहिर एवं बेनीराम हिरेन्द्रवार का भी आयोजन को सफल बनाने में अत्यंत सराहनीय और विशेष योगदान रहा। दोनों ने कार्यक्रम की



व्यवस्थाओं को संभालते हुए आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भुजलिया मिलन समारोह के माध्यम से समाजजनों ने आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत किया। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में समाज की माताओं, बहनों और सामाजिक जनों की उपस्थिति ने आयोजन को यादगार बना दिया। समारोह ने गढ़वाल समाज की सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता की मजबूत तस्वीर प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महिला प्रकोष्ठ भरवेली की समस्त कार्यकारिणी ने समारोह को सफल एवं यादगार बनाने के लिए उपस्थित सभी अतिथियों, समाजजनों, माताओं-बहनों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

हाथी घोड़ा पालकी, जै कन्हैया लाल की.. गलियों से लेकर गांव तक गूंजा राधे राधे, कृष्णा कृष्णा..

जगप्रेरणा लांजी।

‘नंद के घर

आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की.. हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की’ के जयघोष से शुक्रवार को लांजी नगर सहित आसपास का पूरा क्षेत्र कृष्णाय नजर आया।



भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। घर-घर में बाल गोपाल की प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, वहीं मंदिरों में भी दिनभर धार्मिक आयोजनों का दौर चलता रहा। **घर-घर विराजे बाल गोपाल, भक्ति में डूबा नगर**

4 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपने घरों में भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक प्रतिमाओं की स्थापना की। सुबह से ही नगर के प्रमुख स्थानों पर कृष्ण प्रतिमाओं की दुकानें सजी रहीं। विशेष रूप से बस स्टैंड एवं सुभाष चौक के आसपास मूर्तिकारों ने विभिन्न आकार-प्रकार की मनमोहक प्रतिमाएं सजाकर रखीं। नगर के साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं में भी प्रतिमाएं खरीदने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालु अपनी पसंद की सुंदर प्रतिमाएं खरीदकर उन्हें श्रद्धापूर्वक घर ले गए। शाम होते ही घरों में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं की स्थापना कर पूजा-अर्चना शुरू हो गई। कई घरों में आकर्षक झांकियां सजाई गईं। बाल गोपाल को पालने में विराजमान कर विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिरों और घरों में भक्ति गीतों एवं भजनों की स्वरलहरियां गूंजती रहीं।

बाजार में रही रौनक, बड़ी प्रतिमाओं की मांग

जन्माष्टमी को लेकर लांजी नगर के बाजार में भी खासा उत्साह देखने को मिला। कृष्ण प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए नगर के अलावा आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मूर्तिकारों ने बताया कि इस बार भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं की मांग अच्छी रही। श्रद्धालुओं ने विभिन्न आकार और आकर्षक स्वरूप वाली प्रतिमाओं को पसंद किया।

बच्चों में भी जन्माष्टमी को लेकर विशेष उत्साह रहा। अनेक बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा के स्वरूप में सजे नजर आए। घरों में कान्हा की बाल लीलाओं से जुड़ी झांकियां सजाने को लेकर भी लोगों में उत्साह रहा।

आज विसर्जन के साथ संपन्न होगा जन्माष्टमी उत्सव

5 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं का विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ विसर्जन किया जाएगा। इसके साथ ही जन्माष्टमी का यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव संपन्न होगा। विसर्जन के दौरान भी श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिलेगा और नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में ‘जय कन्हैया लाल की’ के जयकारे गूंजेंगे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का पावन पर्व होने के साथ ही धर्म, कर्म, प्रेम, भक्ति और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। लांजी क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और आस्था के साथ जन्माष्टमी मनाकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखा।

नेवरगांव (ला.) में दो दिवसीय जिला स्तरीय खो - खो प्रतियोगिता का भव्य समापन..

बालक-बालिका वर्ग में 55 शालाओं के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, 72 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का संभाग स्तर के लिए चयन..

जगप्रेरणा लालबर्बा।

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं ग्रामीण अंचल के छात्र-छात्राओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव (ला.) के खेल प्रांगण में आयोजित दो



जिले की कुल 55 शालाओं के खिलाड़ियों ने सहभागिता की। वहीं दोनों वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 72 खिलाड़ियों—36 बालिका एवं 36 बालक—का चयन संभाग स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए किया गया।

शिक्षकों एवं खेल प्रमारियों के सहयोग से सफल आयोजन

दो दिवसीय जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव के प्राचार्य राजेन्द्र कटरे की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

किया गया। चयनित खिलाड़ी अब संभाग स्तर पर बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दूसरे दिन 27 शालाओं के बालकों ने किया शानदार प्रदर्शन

दो दिवसीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को बालक वर्ग की जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें जिले की 27 शासकीय एवं अशासकीय शालाओं से 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक खिलाड़ियों ने सहभागिता की। बालक खिलाड़ियों ने भी मैदान पर अपनी तेज गति, फुर्ती, रणनीति और शानदार तालमेल का प्रदर्शन करते हुए मुकामलों को रोमांचक बना दिया।

बालक वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 36 बालक खिलाड़ियों का चयन आगामी संभाग स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित खिलाड़ी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

55 शालाओं के खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, 72 खिलाड़ियों का चयन

दो दिनों तक चले इस जिला स्तरीय खो-खो टूर्नामेंट में बालक एवं बालिका वर्ग को मिलाकर

घर-घर पहुंची स्वास्थ्य टीमों, बीमारी से जंग में लगातार मिल रही राहत

कुड़ेकसा, कोरका और बोंदारी में 14,284 बच्चों का टीकाकरण 5,397 लोगों की हुई जांच, 584 मरीजों का घर पर उपचार

आज 22 मरीज डिस्चार्ज होकर घर लौटे

जगप्रेरणा बालाघाट।

कुड़ेकसा, कोरका और बोंदारी के प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की सतत निगरानी और त्वरित उपचार व्यवस्था का असर अब आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है। स्वास्थ्य अमला केवल अस्पतालों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में घर-घर पहुंचकर लोगों की जांच कर रहा है और जरूरत के अनुसार मौके पर ही उपचार उपलब्ध करा रहा है।

4 सितंबर तक 5,397 लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है। जांच के दौरान मलेरिया, दस्त, दाने के साथ बुखार और चर्म रोग से पीड़ित मरीज सामने आए हैं। इनमें 375

मलेरिया, 179 दस्त, 234 दाने के साथ बुखार और 227 चर्म रोग के मरीज चिन्हित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की रणनीति में समय पर पहचान और तत्काल उपचार को प्राथमिकता दी जा रही है। यही वजह है कि चिन्हित 1,015 मरीजों में से 584 का उपचार घर पर ही किया गया, जबकि अधिक निगरानी और उपचार की आवश्यकता वाले 431 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उपचार के बाद स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। अब तक 379 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है और वर्तमान में 52 मरीज उपचाररत हैं। 4 सितंबर को 26 मरीज अस्पताल में भर्ती किए गए, जबकि उपचार के बाद 22 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया।

प्रभावित ग्रामों में 20 सर्वेक्षण टीमों के माध्यम से घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इसके अलावा 4 पीएम जनमन एएमएमयू, बीमार व्यक्तियों की जांच के लिए 10 चिकित्सा अधिकारी तथा मरीजों को

अस्पताल पहुंचाने के लिए 4 एंबुलेंस लगाई गई हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुड़ेकसा, बोंदारी, कोरका, घुम्मुर, अडोरी, मछुरदा, गठिया एवं मातला सहित विभिन्न ग्रामों में घर-घर सर्वे किया जा रहा है। सर्वे के दौरान 866 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक, ओआरएस एवं जिक टैबलेट वितरित की गईं। 782 बच्चों को आयरन सिरप प्रदान किया गया तथा 684 बच्चों को अर्बेनडजेल की टैबलेट खिलाई गईं।

इसके साथ ही कुल 279 सत्रों में 14,284 बच्चों का टीकाकरण किया गया। मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए आज 48 ग्रामों के 4,799 मकानों में कीटनाशक का छिड़काव तथा 50 ग्रामों के 5,827 घरों में इनडोर-आउटडोर फॉगिंग की गई।

स्वास्थ्य विभाग की टीमों प्रभावित ग्रामों में लगातार स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं बीमारी की रोकथाम संबंधी गतिविधियां संचालित कर रही हैं। इस अभियान की खास बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग बीमारी के आंकड़े जुटाने के साथ-साथ गांव में ही बीमारी की पहचान, उपचार और फॉलोअप पर जोर दे रहा है। इससे गंभीर स्थिति बनने से पहले मरीजों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में मदद मिल रही है। प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य टीमों की निगरानी और सर्वे की यह प्रक्रिया लगातार जारी है।



सोनू तिवारी लांजी जगप्रेरणा फोटो



कनिष्का सुधीर अग्रवाल लांजी जगप्रेरणा फोटो





सात्विक-चिराग की जोड़ी चीन मास्टर्स के सेमीफाइनल में, श्रीकांत का सफर खत्म..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)
भारत के सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेठ्डी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने शुक्रवार को डेनमार्क के किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में जीत दर्ज कर चीन मास्टर्स सुपर 750



के सेमीफाइनल में जगह बना ली लेकिन अनुभवी किदांबी श्रीकांत का अभियान पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 70 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 16-21, 21-18 से जीत हासिल की। इससे मई में थाईलैंड ओपन सुपर 500 में रजत पदक और सिंगापुर ओपन सुपर 750 में खिताब जीतने के बाद उनका शानदार प्रदर्शन जारी रहा। अब सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना नूर मोहम्मद अजरिन और तान वी कियोंग की दुनिया की 29वें नंबर की मलेशियाई जोड़ी से होगा।

सात्विक और चिराग ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बना ली। उन्होंने लगातार शानदार विनर्स लगाकर रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। भारतीय जोड़ी ने अपनी आक्रामक लय बरकरार रखते हुए सात अंकों की बढ़त हासिल कर स्कोर 16-9 कर दिया और पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में 'डेनमार्क' की जोड़ी ने अपने खेल में तेजी दिखायी और भारतीय खिलाड़ियों के हर शॉट का बराबरी से जवाब दिया। स्कोर 15-15 से बराबर होने के बाद एस्ट्रुप और रासमुसेन ने लगातार दो

मौकों पर तीन-तीन अंक जुटाकर छह अंकों की निर्णायक बढ़त बनाई और मुकाबले को तीसरे गेम तक पहुंचा दिया। फिर तीसरा गेम बेहद रोमांचक रहा और दोनों जोड़ियों ने एक-दूसरे को जरा भी बढ़त नहीं लेने दी। 17-17 के स्कोर पर मुकाबला पूरी तरह बराबरी पर था, लेकिन निर्णायक क्षणों में सात्विक और चिराग ने शानदार संयम दिखाया। उन्होंने लगातार तीन महत्वपूर्ण अंक जीतकर 20-17 की बढ़त बना ली। एक अंक गंवाने के बाद भी भारतीय जोड़ी ने धैर्य बनाए रखा और मैच अपने नाम कर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी श्रीकांत का सफर क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के ली चेक यि्यू से सीधे गेम में मिली हार से समाप्त हो गया। इस 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी ली चेक से 16-21, 16-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने इस साल की शुरुआत में अमेरिकी ओपन सुपर 300 में उपविजेता रहते हुए फॉर्म में वापसी की झलक दिखाई थी। अब सेमीफाइनल में ली चेक का सामना फ्रांस के दूसरे नंबर पर काबिज क्रिस्टो पोपोव से होगा।

श्रीकांत ने पिछले दौर में शानदार प्रदर्शन किया

था, उन्होंने राउंड 16 में कनाडा के दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराया था। लेकिन ली चेक के खिलाफ उन्हें लंबे समय तक मुकाबले में वापसी के लिए संघर्ष करना पड़ा, खासकर तब जब पहले गेम के बीच में उन्होंने अपनी बढ़त और लय गंवा दी। श्रीकांत ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन ली चेक ने जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली। हांगकांग के खिलाड़ी ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर छह अंकों की शानदार बढ़त बनाते हुए स्कोर 14-6 कर दिया। श्रीकांत ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अंतर काफी बड़ा हो चुका था। ली चेक ने धैर्य बनाए रखा और पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में मुकाबला काफी कड़ा रहा। श्रीकांत ने एक बार फिर आक्रामक शुरुआत करते हुए 4-0 की बढ़त बनाई, लेकिन ली चेक ने लगातार अंक हासिल कर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। इसके बाद रैलियां लंबी होती गईं और दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतर बेहद कम रहा।

बहुत कई बार बदली और दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए 15-15 तक पहुंच गए। जब ऐसा लगा कि श्रीकांत जीत के करीब पहुंच रहे हैं, तभी ली चेक ने अपनी गति बढ़ा दी। उन्होंने लगातार तीन अंक हासिल कर 18-15 की बढ़त बना ली और इसके बाद तीन और अंक लगातार जीतकर मुकाबला सीधे गेम में समाप्त कर दिया। तीस वर्षीय ली चेक ने मई में सिंगापुर ओपन में भी शानदार प्रदर्शन किया था जिसमें उन्होंने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी को हराया था।

पूरी हुई 'लव एंड वॉर' की शूटिंग, तय हुई रणबीर-आलिया-विवकी की फिल्म की रिलीज डेट..

डेस्क जगप्रेरणा।
संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल स्टार इस फिल्म की शूटिंग अब पूरी हो चुकी है।



लंबे समय से निर्माणधीन इस फिल्म के शूट का खत्म होना मेकर्स के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। शूटिंग पूरी होने के बाद अब फिल्म की टीम पोस्ट-प्रोडक्शन के काम में जुटेगी। भंसाली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है, क्योंकि इसमें पहली बार रणबीर और विक्की कौशल के साथ आलिया भट्ट की जोड़ी एक साथ नजर आने वाली है।

इमोशनल फेयरवेल के साथ पूरा हुआ शूट

इस बॉलीवुड फिल्म की शूटिंग पूरी होने के मौके पर पूरी यूनिट ने हाल ही में एक इमोशनल फेयरवेल भी मनाया। फिल्म से जुड़े कलाकारों और कर्ू के लिए यह खास पल था, क्योंकि प्रोजेक्ट लंबे समय से निर्माण के अलग-अलग चरणों से गुजर रहा था। शूटिंग पूरी होने के साथ अब फिल्म को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू होगी। संजय लीला भंसाली की फिल्मों में विजुअल्स, बैकग्राउंड स्कोर, एडिटिंग और प्रोडक्शन डिजाइन का खास महत्व रहता है, इसलिए पोस्ट-प्रोडक्शन का चरण भी इस फिल्म के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

फिल्म की कहानी को लेकर मेकर्स ने फिलहाल ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। हालांकि, इसे एक रोमांटिक वॉर ड्रामा बताया

जा रहा है। फिल्म में प्यार और युद्ध की पृष्ठभूमि के बीच रिशतों और भावनाओं की कहानी देखने को मिल सकती है। कहानी को लेकर गोपनीयता बरकरार रखी गई है और अभी तक फिल्म का फर्स्ट लुक भी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आया है। फिल्म की रिलीज के करीब आने के साथ इसके फर्स्ट लुक, ट्रेलर और प्रमोशनल कैपेन से जुड़ी जानकारियां सामने आने की उम्मीद है। संजय लीला भंसाली की फिल्में को लेकर दर्शकों में खास उत्सुकता रहती है, ऐसे में 'लव एंड वॉर' के प्रमोशन पर भी सभी की नजरें रहेंगी।

21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म..

'लव एंड वॉर' को 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म को गणतंत्र दिवस के लंबे वीकेंड का फायदा मिलने की उम्मीद है। यह फिल्म हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी दुनियाभर में रिलीज होगी। शूटिंग पूरी होने के बाद अब एडिटिंग, बैकग्राउंड स्कोर, विजुअल वर्क और दूसरे पोस्ट-प्रोडक्शन काम पूरे किए जाएंगे।

'लव एंड वॉर' की बॉक्स ऑफिस पर होगी टक्कर..

फिल्म की रिलीज डेट पहले से ही चर्चा में

है, क्योंकि इसी दिन ऋषभ शेठ्डी की फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' भी सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

ऐसे में 21 जनवरी 2027 को बॉक्स ऑफिस पर दोनों फिल्मों के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों फिल्मों का जॉर्न और ट्रीटमेंट अलग है, लेकिन बड़े सितारों और बड़े बजट की वजह से यह क्लैश

इंडस्ट्री के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रणबीर, आलिया और विक्की के आने वाले प्रोजेक्ट्स..

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट को हाल ही में यशराज फिल्म्स की 'अलफा' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ शरवरी, अनिल कपूर और बांबी देओल भी नजर आए। वहीं रणबीर कपूर की पिछली रिलीज 'एनिमल' थी। इसके अलावा वह नितेश तिवारी की 'रामायण' में नजर आने वाले हैं, जिसकी रिलीज दिवाली 2026 के दौरान प्रस्तावित है। विक्की कौशल की बात करें तो वह आखिरी बार 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'छावा' में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ रश्मिका मंदाना थीं। अब वह अमर कौशिक की फिल्म 'महावतार' में दिखाई देंगे। इन तीनों सितारों को एक साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म में देखने की वजह से 'लव एंड वॉर' को लेकर दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। शूटिंग पूरी होने के बाद अब नजरों फिल्म के फर्स्ट लुक, ट्रेलर और रिलीज से पहले सामने आने वाली दूसरी जानकारियों पर टिकी है।

विशेष ने तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स का खिताब जीता..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)
स्थानीय खिलाड़ी विशेष शर्मा ने अंतिम क्षणों में रोमांचक मोड़ पर अपना धैर्य बनाए रखा और शुक्रवार को यहां एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीता।



इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने एक अंडर 69 के

साथ अपना खेल समाप्त किया। उन्होंने कुल 21 अंडर 259 के स्कोर के साथ नोएडा के अमरदीप मलिक को एक स्ट्रोक से पीछे छोड़ा। यह उनका पहला पेशेवर खिताब है। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई में दूसरी बार खेल रहे विशेष (60-66-64-69) ने खिताब हासिल करने पर 15 लाख रुपये जीते। इस जीत से वह 2026 की रैंकिंग में 25वें से 14वें स्थान पर पहुंच गए। उनकी इस सत्र की कुल कमाई 30,93,550 रुपये हो गई और डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में उनकी जगह पक्की हो गई है।

‘इंडियाज गॉट लेटेट 2’ में समय रैना ने वरुण धवन की वायरल स्माइल की उतारी नकल, निशांत तंवर ने एक्टर को किया रोस्ट..

डेस्क जगप्रेरणा।
कॉमेडियन समय रैना 4 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर इंडियाज गॉट लेटेट सीजन 2 का एक खास एपिसोड लेकर आ रहे हैं। इसमें गेस्ट के तौर पर एक्टर वरुण धवन



और मेधा शंकर के साथ-साथ दूसरे पैनलिस्ट भी शामिल होंगे। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने सोशल मीडिया पर इस आने वाले एपिसोड का एक मजेदार ट्रेलर शेयर किया है। प्रोमो में समय एक्टर वरुण की ट्रेडमार्क स्माइल पर मजेदार तंज कसते हैं। वहीं, एक गेस्ट पैनलिस्ट उनकी एक्टिंग किल्स पर भी मजाक करते हैं।

निशांत तंवर ने वरुण धवन को किया रोस्ट..

वीडियो में वरुण धवन एक कंटेस्टेंट से परफॉर्मेंस देने के लिए कहते हुए दिखते हैं, जब कंटेस्टेंट कहता है कि वह एक्टिंग कर सकता है तो पैनलिस्ट में से एक कॉमेडियन निशांत तंवर मजाक में कहते हैं, 'तुम शायद एक्टिंग कर सकते हो, लेकिन ये.. हूँ?' इस बात पर सब

हंसेन लगते हैं और एक्टर भी इसे मजाक के तौर पर ही लेते हैं। शो में मौजूद पैनलिस्ट भी हंसाने लगे और एक्टर ने भी हंसाते हुए इस बात पर रिएक्ट किया।

समय रैना ने वरुण धवन की स्माइल की कॉपी..

वीडियो में आगे देखने को मिलेगा कि समय रैना कहते हैं, 'यार कुछ करो साथ में' इस पर कंटेस्टेंट कहता है कि 'मैं एक्टिंग कर सकता हूँ' इस पर समय रैना कहते हैं, 'ये तो भेड़िया बनाने आए हैं' इसके बाद एक्टर वरुण स्टेज पर समय को भी बुलाते हैं और कहते हैं, 'तुम दोनों लड़ो अभी' इस बाद समय रैना सुझाव देते हैं, 'हम तीनों को जानवरों की तरह एक्टिंग करनी चाहिए।' वह खुद सबसे पहले ऐसा करने के

लिए आगे आते हैं और वरुण धवन की सिमनेचर स्माइल को कॉपी करते हैं। समय वही 'साइड-स्माइल' देते हैं जो पहले सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी थी। जैसे ही वरुण वह एक्सप्रेशन देखते हैं।

वो भी उनके साथ अपनी ट्रेडमार्क स्माइल कॉपी करते हैं, जिसे देख दर्शक हंस-हंसकर लोटपोट हो जाते हैं। नेटफ्लिक्स इंडिया ने इंस्टाग्राम पर 'इंडियाज गॉट लेटेट 2' के आने वाले एपिसोड का ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, 'जिंदगी बहुत छोटी है, बहस करने के बजाय बस अपनी बात कहें और आगे बढ़ें। इंडियाज गॉट लेटेट का यह खास एपिसोड कल सिर्फ नेटफ्लिक्स पर देखें।' इंडियाज गॉट लेटेट 2 का एपिसोड 6 आप नेटफ्लिक्स पर 04 सितंबर को देख सकते हैं।

वरुण धवन ने खरीदा खेत..

प्रोफेशनल तौर पर बात करें तो वरुण धवन आखिरी बार 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आए थे। फिल्म में मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिकाओं में थीं। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, एक्टर वरुण धवन इन दिनों अपने नए खेत को लेकर काफी चर्चा में हैं।

‘जय श्री राम बोलो’, आसिम रियाज की बदजुबानी पर भड़के विशाल आदित्य सिंह, खिल्ली उड़ाकर बोले- इंजेक्शन से बाँड़ी बनती है, दिमाग नहीं..

डेस्क जगप्रेरणा।
रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' के दो एक्स कंटेस्टेंट आसिम रियाज और विशाल आदित्य सिंह के बीच का सोशल मीडिया युद्ध अब एक नए और तीखे मोड़ पर पहुंच गया है। आसिम रियाज ने नेशनल टेलीविजन पर विशाल के साथ हुए पुराने वाकये



और निजी जिंदगी को तंज कसा था, जिसके बाद विशाल आदित्य सिंह ने अब बेहद आक्रामक अंदाज में पलटवार किया है। विशाल ने न केवल आसिम की पहचान और उनके करियर पर सवाल उठाए, बल्कि उन्हें दिमाग ठंडा रखने और धार्मिक निष्ठा के साथ 'जय श्री राम' का जाप करने की सलाह दे डाली।

आसिम के निजी हमलों पर विशाल का करारा पलटवार..

विवाद की शुरुआत तब हुई जब आसिम रियाज ने विशाल को निशाना बनाते हुए एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने 'बिग बॉस 13' के दौरान मधुरिमा तुली द्वारा विशाल को पैस से मारे जाने की घटना का जिक्र किया था। आसिम ने कहा था कि इस घटना ने विशाल के दिमाग पर स्थायी असर डाला है और वे विशाल के लिए साइकाइट्रिस्ट

ढूंढ़ने की कोशिश करेंगे। इस बेहद अपमानजनक टिप्पणी का जवाब देते हुए विशाल आदित्य सिंह ने आसिम की औकात और इंडस्ट्री में उनके वजूद पर सीधा प्रहार किया। विशाल ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी, बस यही है आपकी पहचान और यही रह जाएंगे आप। तो आसिम भाई प्लीज.. कीप काम और बोलो 'जय श्री राम'।' विशाल का यह जवाब सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गया, जहां फैंस ने उनके इस तीखे और संयमित अंदाज की तारीफ की।

विशाल का रैप और बाँड़ीबिल्डिंग पर तंज..

केवल 'जय श्री राम' कहने की सलाह देकर ही विशाल शांत नहीं हुए। आसिम द्वारा मनोचिकित्सक भेजने की बात पर चुटकी लेते हुए विशाल ने लिखा कि आसिम उन्हें डॉक्टर का नंबर जरूर भेज दें, बदले में वे आसिम को 'सुरेश वाडकर म्यूजिक स्कूल' का नंबर और एक जिम

विवाद में हिमांशी खुराना की प्रतिक्रिया और बढ़ा तनाव..

विशाल द्वारा आसिम को दिए गए इस मुंहतोड़ जवाब के बाद सोशल मीडिया पर एक नया मोड़ तब आया जब आसिम की पूर्व प्रेमिका हिमांशी खुराना ने विशाल के पोस्ट पर टिप्पणी की। हिमांशी ने विशाल के रुख पर सवाल उठाते हुए लिखा कि उन्हें किसी पॉडकास्ट में जाकर इस तरह की बातें बोलने की बिल्कुल जरूरत नहीं थी। दूसरी ओर विशाल और आसिम के बीच छिड़ी यह जंग अब धमने का नाम नहीं ले रही है।

जहां आसिम ने टीवी जगत के वरिष्ठ कलाकारों को निशाना बनाया था, वहीं विशाल आदित्य सिंह के इस पलटवार विशेषकर 'जय श्री राम' बोलने और करियर पर सवाल उठाने वाले बयान ने आसिम रियाज को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया है। दोनों स्टार्स के फैंस के बीच भी अब इंटरनेट पर जुबानी जंग छिड़ गई है।

एशियाई खेलों की तैयारियां: सहानुभूति और आपसी सम्मान भी जागरूकता कार्यक्रम का हिस्सा..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)
जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को जागरूकता कार्यक्रम के दौरान दबाव वाले माहौल में सहानुभूति और आपसी सम्मान के महत्व के बारे में भी बताया जाएगा। भारत के 768 सदस्यीय दल में 503 खिलाड़ी और 246 सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल हैं।

इन सभी को एक या दो दिन में खेलों के लिए आचार संहिता प्राप्त हो जाएगी। इसमें यह बताया जाएगा कि 19 सितंबर से आइची-नागोया में शुरू होने वाले एशियाई खेलों के दौरान उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। पहली बार दल के साथ एक सुरक्षा अधिकारी (सेफगाइंग ऑफिसर) जा रहा है जो यहां सुनिश्चित करेगा कि कोई भी सदस्य उपेक्षित महसूस नहीं करें। दल की सुरक्षा अधिकारी नीतल नारांग ने शुक्रवार

को यहां पीटीआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, "उन्हें जागरूक करने और उन्हें यह समझाने के लिए कि सुरक्षा (सेफगाइंग) क्या है, ऑनलाइन सहित कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।" उन्होंने कहा, "जागरूक रहना, खुद के बारे में जागरूक रहना, सहानुभूति रखना, एक-दूसरे का सम्मान करना। मेरा मतलब है कि ये बहुत ही बुनियादी बातें हैं। ये चीजें पूरी दुनिया में होती हैं। लोग कभी-कभी बहुमत या ताकतवर का साथ देते हैं। ऐसे में किसी ऐसे व्यक्ति की उपेक्षा हो सकती है जो कि कमजोर कड़ी हो।"

उन्होंने बताया, 'हमारा मानना है कि जब आप एक टीम के रूप में काम कर रहे होते हैं तो आप न केवल अपने लिए जिम्मेदार होते हैं, बल्कि आप अपने आसपास मौजूद हर किसी के लिए भी जिम्मेदार होते हैं।' एशियाई ओलंपिक परिषद ने सभी देशों की टीम के साथ सुरक्षा अधिकारी की मौजूदगी अनिवार्य कर रखी है। नारांग ने कहा कि वह मुख्य रूप से परेशान लोगों को परामर्श देने पर ध्यान केंद्रित करेंगी, हालांकि उनकी भूमिका में किसी भी व्यक्ति द्वारा बार-बार उल्लंघन

करने के सबूत इकट्ठा करना भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, "प्रतिनिधिमंडल को पूर्व-जानकारी दी जाएगी, जिसमें उन्हें सुरक्षा पहल के बारे में बताया जाएगा और यह भी बताया जाएगा कि 'सेफगाइंग ऑफिसर' यात्रा क्यों कर रहे हैं और किससे संपर्क करना है। संपर्क करने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर और एक ईमेल आईडी भी उपलब्ध कराई जाएगी।" नारांग ने कहा, "यह सब कुछ हमारे बीच गोपनीय रहेगा। हमारा मकसद सुरक्षित खेल, सुरक्षित वातावरण और एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है जहां खिलाड़ी को लगे कि मज्बूे यहां सिर्फ प्रदर्शन करना है। मेरे दिमाग पर किसी तरह का तनाव नहीं होना चाहिए।"

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)

लेख, लघु कथा,
कविताएं एवं साहित्य
सामग्रीयां आमंत्रित है..Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433शिक्षक दिवस: सम्मान से आगे आत्मचिंतन –प्रॉक्सि शिक्षक व अनुपस्थिति से नशाखोरी तक :
शिक्षा व्यवस्था में छिपे उन विकारों पर अब सख्त पहरा ज़रूरी –समग्र व्यापक विश्लेषण..

वैश्विक स्तरपर हर वर्ष 5 सितंबर को भारत शिक्षक दिवस के रूप में मनाता है।यह दिन महान दार्शनिक,शिक्षाविद् और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को समर्पित है।इस अवसर पर विद्यार्थी अपने शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हैं,फूल भेंट करते हैं और विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। लेकिन शिक्षक दिवस का वास्तविक अर्थ केवल समारोह अभिनंदन और औपचारिक बधाइयों तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह वह अवसर है जब पूरा समाज स्वयं से यह प्रश्न पूछे कि जिस शिक्षक को राष्ट्र के भविष्य का निर्माता कहा जाता है,उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा,नैतिक जिम्मेदारी और पेशेवर जवाबदेही की स्थिति आज कहाँ खड़ी है। मैं एडवोकेट किशन सन्मुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूँगा कि भारतकी प्राचीन गुरु-शिष्य परंपरा में गुरु को केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं,बल्कि चरित्र संस्कार, विवेक औरजीवन-दृष्टि प्रदान करने वाला मार्गदर्शक माना गया।इसलिए शिक्षक का आचरणकेवल उसका निजी विषय नहीं है;उसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों के व्यक्तित्व और अंततः राष्ट्र के सामाजिक चरित्र पर पड़ता है।डिजिटल युग ने शिक्षा के साधनों को अभूतपूर्व रूप से आधुनिक बनाया है, लेकिन आधुनिक तकनीक के साथ नैतिकता और जवाबदेही की समान गति से मजबूती नहीं हुई तो शिक्षा की आत्मा सटीकता से कमजोर पड़ सकती है।

साथियों, भारत में शिक्षा को संवैधानिक और सामाजिक दृष्टि से लोककल्याण का माध्यम माना गया है।संविधान का अनुच्छेद 21ए और शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009, 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करते हैं। विद्यालयों के संचालन, शिक्षकों की नियुक्ति,योग्यता, जिम्मेदारियों और संस्थागत मानकों के लिए केन्द्र तथा राज्यों के स्तर पर विभिन्न नियम और विनियम मौजूद हैं। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों के लिए संबद्धता संबंधी उपनियम हैं, जबकि राज्यों में अपने-अपने शिक्षा नियम और सेवा आचरण व्यवस्थाएँ लागू हैं। उच्च शिक्षा में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद जैसी संस्थाएँ नियामक भूमिका निभाती हैं।सर्वोच्च न्यायालय के टी.एम.ए. पाई फंडेशन तथा पी.ए. इनामदार जैसे महत्वपूर्ण निगणों ने शिक्षा के क्षेत्र में संस्थागत स्वायत्तता के साथ-साथ शिक्षा के गैर- व्यावसायिक और लोक कल्याणकारी चरित्र पर महत्वपूर्ण सिद्धांत स्थापित किए हैं। विभिन्न राज्यों में शुल्क नियंत्रण और कैपिटेशन फ़ैस पर रोक से संबंधित कानून भी बनाए गए हैं। फिर भी चुनौती यह है कि कानूनों और नियमों की संख्या बढ़ाने मात्र से शिक्षा की गुणवत्ता नहीं सुधरती;वास्तविक परिवर्तन तब आता है जब नियमों का निष्पक्ष, पारदर्शी और

समान रूप से क्रियान्वयन हो।

साथियों, आज शिक्षा व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि कुछ स्थानों पर शिक्षक के पद की गरिमा और पेशेवर अनुशासन के बीच गंभीर अंतर दिखाई देता है। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ऐसे मामले पूरे शिक्षक समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते।भारत में लाखों शिक्षक अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी ईमानदारी, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ बच्चों का भविष्य गढ़ रहे हैं। लेकिन कुछ शिक्षकों के कथित दुराचरण की घटनाएँ इसलिए अधिक गंभीर हो जाती हैं क्योंकि बच्चों के लिए शिक्षक स्वयं एक जीवत उदाहरण होता है। यदि कोई शिक्षक विद्यालय में नशे की हालत में आता है,परिसर में तंबाकू या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करता है अथवा विद्यार्थियों के सामने अनुशासनहीन व्यवहार करता है, तो वह केवल सेवा नियम का उल्लंघन नहीं करता, बल्कि बच्चों के सामने गलत सामाजिक संदेश भी स्थापित करता है। इसी प्रकार समय पर विद्यालय न पहुँचना, निर्धारित समय से पहले चले जाना, शिक्षण कार्य के प्रति उदासीनता या केवल कागजी खानापूर्ति करना शिक्षा के मूल उद्देश्य को कमजोर करता है। ऐसी प्रवृत्तियों के विरुद्ध कार्रवाई किसी व्यक्ति को अपमानित करने के लिए नहीं, बल्कि विद्यालय और विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है।

साथियों, सबसे गंभीर आरोपों में से एक ‘प्रॉक्सि शिक्षक’ की अवधारणा है,अर्थात नियुक्त शिक्षक का स्वयं विद्यालय में उपस्थित होने के बजाय किसी अन्य व्यक्ति, रिश्तेदार या कम वेतन वाले व्यक्ति से अपना कार्य करवाना। यदि किसी मामले में यह आरोप प्रामाणित होता है,तो यहकेवल अनुशासनहीनता नहीं बल्कि प्रशासनिक, वित्तीय और नैतिक गंभीरता वाला विषय बन जाता है। सरकारी वेतन सार्वजनिक धन से दिया जाता है और उसके बदले शिक्षक से निर्धारित सेवा की अपेक्षा की जाती है। इसलिए किसी अन्य व्यक्ति से अपनी जगह काम करवाना विद्यार्थियों के शिक्षा- अधिकार के साथ-साथ सार्वजनिक संसाधनों के प्रति भी गंभीर जवाबदेही का प्रश्न उठाता है। ऐसे मामलों में विभागीय जांच, सेवा नियमों के तहत दंड और परिस्थितियों के अनुसार आपराधिक कार्रवाई की संभावना को कानूनसम्मत प्रक्रिया के माध्यम से देखा जाना चाहिए। इसी तरह निजी द्यूशन, विद्यालयी जिम्मेदारियों की उपेक्षा,स्थानीय राजनीति में अलंघ्य सल्लसता या कक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण से बचने की प्रवृत्ति भी शिक्षा की मूल भावना को प्रभावित कर सकती है।

साथियों,हालाँकि, समस्या का समाधान केवल कठोर दंड में नहीं है। शिक्षक जवाबदेही और शिक्षक सम्मान,दोनों एक साथ चलने चाहिए। एक ऐसी व्यवस्था आवश्यक है जिसमें ईमानदार और उत्कृष्ट शिक्षक को

सम्मान, प्रशिक्षण पदोन्नति और प्रोत्साहन मिले, जबकि प्रमाणित गंभीर कदाचार पर किसी भी स्तर पर संरक्षण न दिया जाए। प्रशासनिक व्यवस्था में सबसे बड़ी कमजोरी अक्सर नियमों की अनुपस्थिति नहीं,बल्कि उनके असमान या कमजोर क्रियान्वयन की होती है। दूरदराज के क्षेत्रों में निरीक्षण की कमी, शिकायतों के निस्तारण में देरी,स्थानीय प्रभाव,प्रशासनिक उदासीनता या किसी भी प्रकार का अनुचित दबाव जवाबदेही की पूरी रक्षा को कमजोर कर सकता है। इसलिए शिक्षायात को स्वतंत्र, समयबद्ध और निष्पक्ष जांच न होना भी उतना ही गंभीर प्रशासनिक दोष है।

साथियों, डिजिटल युग इस चुनौती का एक महत्वपूर्ण समाधान भी प्रस्तुत करता है। बायोमेट्रिक उपस्थिति, स्थान- आधारित उपस्थिति, फेसियल रिकग्निशन, विद्यालयनिरीक्षण के डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल और वास्तविक समय में निगरानी जैसी तकनीकें उपस्थिति तथा प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं। कुछ राज्यों में डिजिटल और चेहरे की पहचान आधारित उपस्थिति जैसी व्यवस्थाओं के प्रयोग की दिशा में कदम उठाए गए हैं। लेकिन तकनीक को दंडात्मक निगरानी तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उसका उद्देश्य शिक्षक को संदेह की दृष्टि से देखना नहीं, बल्कि विद्यालयी व्यवस्था में पारदर्शिता, नियमितता और जवाबदेही सुनिश्चित करना होना चाहिए। साथ ही ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में इंटरनेट, बिजली और तकनीकी सुविधाओं की सीमाओं को ध्यान में रखकर वैकल्पिक व्यवस्थाएँ भी रखनी होंगी।

साथियों, भारत को इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से भी सीखने की आवश्यकता है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा शिक्षकों की स्थिति और पेशेवर मानकों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सिफरिशें इस बात पर बल देती हैं कि शिक्षक की गुणवत्ता केवल शैक्षणिक योग्यता से निर्धारित नहीं होती;उसके पेशेवर अधिकार, कार्य परिस्थितियाँ सामाजिक सम्मान और जिम्मेदारियाँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।युनिये का विभिन्न देशों में शिक्षक पेशे के लिए स्पष्ट पेशेवर मानक और आचार संबंधी अपेक्षाएँ निर्धारित की गई हैं। भारत को इन वैश्विक अनुभवों का यात्रिक अनुकरण करने के बजाय अपनी संवैधानिक संरचना, विविध सामाजिक परिस्थितियों और संघीय व्यवस्था के अनुरूप एक प्रभावी राष्ट्रीय शिक्षक जवाबदेही ढाँचा विकसित करना चाहिए।

साथियों,ऐसा ढाँचा चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित हो सकता है,पहला,स्पष्ट और समान पेशेवर आचार संहिता; दूसरा, पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम उपस्थिति और निरीक्षण

व्यवस्था;तीसरा,शिकायतों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच; और चौथा,उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मान एवं प्रोत्साहन। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा विकसित पेशेवर नैतिकता संबंधी दिशा-निर्देशों, शिक्षा कानूनों तथा राज्यों की सेवा आचरण नियमावलिओं को एक-दूसरे से बेहतर तरीके से जोड़कर ऐसा ढाँचा तैयार किया जा सकता है।आवश्यकता नए कानूनों की भी हो सकती है, लेकिन उससे पहले मौजूदा नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन की व्यापक समीक्षा जरूरी है। किसी शिक्षक पर आरोप लगना और आरोप सिद्ध होना दो अलग बातें हैं; इसलिए जवाबदेही की व्यवस्था कठोर होने के साथ न्यायसंगत और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप भी सटीकता से होनी चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शिक्षक दिवस का सबसे बड़ा संदेश यही होना चाहिए कि शिक्षक का सम्मान और शिक्षक की जवाबदेही एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं।समाज को अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए,सरकार को उन्हें बेहतर कार्य वातावरण और संसाधन देते चाहिए और शिक्षक समुदाय को भी अपने पेशे की असाधारण जिम्मेदारी को समझना चाहिए।

जिस प्रकार एक चिकित्सक की गलती किसी व्यक्ति के जीवन को प्रभावित कर सकती है, उसी प्रकार शिक्षक की निरंतर उपेक्षा एक पूरी पीढ़ी की सोच, क्षमता और चरित्र को प्रभावित कर सकती है। इसलिए 5 सितंबर को केवल फूलों और शुभकामनाओं का दिन न बनाकर शिक्षा की आत्मा को पुनर्जीवित करने का संकल्प दिवस बनाना होगा। हमें ऐसा भारत बनाना होगा जहाँ शिक्षक आर्थिक या प्रशासनिक दबाव से नहीं, बल्कि अपने ज्ञान, चरित्र और कर्म की शक्ति से सम्मानित हों;जहाँ गलत आचरण पर संरक्षण नहीं बल्कि निष्पक्ष कार्रवाई हो; और जहाँ तकनीक आधुनिक हो, लेकिन शिक्षा की आत्मा मानवीय और नैतिक बनी रहे। यही डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की विरासत के प्रति वास्तविक श्रद्धांजलि और भारत की आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी।

लेखक

एडव्होकेट किशन
भावनानी गोंदिया

अध्यापक : वह दीपक जो स्वयं जलकर देता है ज्ञान का प्रकाश

हमारे देश में 5 सितंबर का दिन अध्यापक दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति तथा सुप्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री डॉ. राधाकृष्णन का जन्म दिवस 5 सितंबर को होने के उपलक्ष्य में इस दिवस को अध्यापक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर शिक्षा क्षेत्र में अच्छा काम करने वाले अध्यापकों का मान-सम्मान किया जाता है। उन्हें राष्ट्रीय और राजकीय पुरस्कारों से नवाजा जाता है। आदर्श तथा सर्वोत्तम अध्यापकों को राजकीय और राष्ट्रीय पुरस्कार देकर सरकार सम्मानित करती है, जोकि प्रशंसनीय कार्य है। इससे अध्यापकों में भी परिश्रम तथा लगन से काम करने की भावना पैदा होती है। यदि अध्यापकों की तरफसे शिक्षा प्रणाली में सुधार करने के लिए काम किया जाए तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है, परंतु पिछले दिनों पेपर लीक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उससे शिक्षा प्रणाली पर बड़े प्रश्न उठ खड़े हुए हैं और छात्रों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। प्राचीन काल से ही राष्ट्र निर्माण में अध्यापकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनकी तुलना सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी से भी की गई है। ब्रह्मा जी से रचित प्राणी तथा संसार के व्यवहारिक ढांचे में ढालने तथा व्यवहार योग्य बनाने का कार्य अध्यापकों की तरफ से किया जाता है। अध्यापक को गुरु, उस्ताद, आचार्य आदि शब्दों से संबोधित किया जाता है। गुरु शब्द जीवन की अध्यक्षता करता है, आचार्य शब्द का अभिप्राय उच्च आचरण का आदमी और आदर्श व्यक्ति। मुनि विश्वामित्र तथा आचार्य द्रोण इत्यादि गुरुओं का आदर्श जीवन विश्व के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। क्योंकि अध्यापक उस दीपक की भांति होते हैं जो स्वयं प्रज्वलित होने के साथ-साथ अपने ज्ञान रूपी प्रकाश को लाखों बच्चों में बांटता है। अध्यापक अपने कुशल निर्देशन के जरिए छात्रों को अज्ञानता के अंधकार से निकालकर मन-मस्तिष्क को एक नई राह दिखाता है और फिर बच्चों की अध्यक्षता करता है, आचार्य शब्द का अध्यापक ही बच्चों के दिल-दिमाग में ज्ञान का दीपक जलाकर उनकी बुराइयां बाहर निकाल कर जीवन का भरपूर आनंद लेने के लिए उन्हें योग्य बनाता है।

देश में आज बड़े-बड़े डॉक्टर, वैज्ञानिक, श्रमजीवी एवं उच्च पदों पर तैनात लोग राष्ट्र निर्माण में अक्षम योगदान दे रहे हैं, यही राष्ट्र निर्माण होने का सबसे बड़ा सबूत है, लेकिन आज बड़े दुख की बात है कि अध्यापक वर्ग अपने कर्तव्यों से दूर भागता नजर आ रहा है। आज कक्षा में बच्चों को पढ़ाना उनका शौक नहीं बल्कि मजबूरी है। आज उनकी चिंता का विषय यह नहीं है कि उनकी कक्षा का परिणाम कैसा रहा या उनके स्कूल को कितनी छात्रवृत्तियां मिलीं। परंतु चिंता का विषय तो यह

है कि वह कितने छात्रों को द्यूशन में खींच सकता है। धन एकत्रित करने की मनोवृत्ति उनके मन में तेजी से बढ़ रही है। वह आदर्श अध्यापक बनने की बजाय आदर्श द्यूटर बनना अधिक पसंद करता है। कक्षा में पढ़ाने की बजाय बातचीत में समय व्यतीत कर रहे हैं। अध्यापक स्कूलों में भी घर के काम को प्राथमिकता दे रहे हैं। स्कूलों में देरी से आना और समय से पहले स्कूल छोड़ना उनकी आदत बन गई है। शिक्षा का व्यापारीकरण होता जा रहा है। आज गुरुत्व और शिक्षकत्व पर प्रश्न चिन्ह खड़े हो रहे हैं। देश में अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही शिक्षा प्रणाली को बदलने की जरूरत है। आज ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जो बच्चों को रोजगार के अवसर प्रदान कर सके। शिक्षा प्रणाली में सुधार की भी जरूरत है, जो बच्चों को नई ऊर्जा प्रदान कर सके। उनके जीवन में जीने की नई दृष्टि तथा उत्साह पैदा हो। आज शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य बच्चों को मात्र डिग्रियां प्रदान करने तक सीमित होकर रह गया है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली बच्चों के जीवन की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ दिखाई देती है। शिक्षा प्रांतीय भाषाओं व राष्ट्रीय भाषाओं तक सीमित होनी चाहिए। खेलों को शिक्षा में उचित स्थान दिया जाना चाहिए। आजकल नवयुवकों में नशे के प्रति बढ़ता रुझान चिंता का विषय है। आज स्कूलों एवं कॉलेज के बाहर नशे के सौदागर सरेआम नशे का व्यापार कर रहे हैं। शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए अत्यधिक संतुलित व मनोवैज्ञानिक पाठ्यक्रम निर्धारित किया जाना चाहिए। बड़े दुख की बात है कि आज देश के शिक्षा के मंदिरों में भी राजनीति प्रवेश कर गई है। भारतीय जनता पार्टी का अखिल भारतीय युवा संगठन, कांग्रेस का नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ़इंडिया, अकाली दल का एसओआई कॉलेजों में प्रवेश होने के कारण कॉलेजों और यूनिवर्सिटियों का वातावरण प्रदूषित होता जा रहा है। पढ़ाई की बजाय नवयुवकों का ध्यान राजनीति की तरफबढ़ता जा रहा है। अध्यापक ही बच्चों के हड़तालों, हलचल और राजनीतिक पार्टियों का बढ़ता हस्तक्षेप शिक्षा प्रणाली के लिए घातक साबित हो सकता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का कहना है कि राजनीतिक पार्टियों के शिक्षण संस्थाओं में हस्तक्षेप के कारण पढ़ाई का स्तर लगातार गिरता जा रहा है, परंतु किसी राजनीतिक पार्टी को इसकी कोई परवाह नहीं है। उसे वोट और कुर्सी की चिंता है। लाल बहादुर शास्त्री ने कहा कि यदि शिक्षा के मंदिरों की उन्नति चाहते हो तो उसे राजनीति क्षेत्र से बचाना होगा और शिक्षा के केंद्रों में गुरुकुल प्रथा पुनः लागू की जानी चाहिए।

सुभाष आनंद-विभूति फीचर्स

केवल औपचारिकता

अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल लोगों में अब गांधीय चलते रहती है। बिरलो के ही चेहरे पर अंतिम संस्कार के समय संजीदगी दिखाई देती है।

गणशप में शादी ब्याह, जमीन जायदाद कोर्ट कचरी के विषय चलते रहते हैं। ना ही मरनेवाले के प्रति कोई संवेदना ना ही चेहरे पर दुख के भाव दिखते है।

ऐसा लगता है लोग सैर सपाटा करने या स्नेह मिलान कार्यक्रम में आये हो। जैसे अंतिम संस्कार कार्यक्रम भी अब केवल औपचारिकता मात्र रह गया हो।

रचनाकार

चिरंजीव बिसेन
गोंदिया

बैल बोला..

युग युगों से गावो मे मना रहे है हर गांव गांव में उत्सव बैल पोला शंकर मगवानजी का तो साथी था हर समय ही हर वक्त नंदी बैल पोला

इंसानों को थे ही अनाज की जरूरत किसानों ने बैलों के खेती से भरे झोला। किसानों ने गायके दूधसे पैसा कमाया गाय बैलों को पालने मनाते है बैल पोला।

इंसानों के जंगलों में बैलही सच्चा साथी किसानभाई मनाते हर साल बैल पोला। गाय बैलों के गोबर से बने खात से सुजलाम सुफ़्ताम भरे कृषि का झोला।

इंसानों ने छोड़े गाय बैलों का साथ तो पृथ्वीपर बज रहा है ग्लोब वार्मिंग डोला। गाय बैल पालके कर इंसान तू खेती हर गांव में उत्साह से मनाएंगे बैल पोला।

रचनाकार

श्री किशोरकुमार
मलेवार, गोंदिया
महाराष्ट्र
8390488742

शब्दवर्गपहेली क्र.- 263

1	2	3		4	5	6		7	8		9	10		11	12	
13				14							15			16		17
		18	19		20				21	22		23	24		25	26
27	28			29					30	31				32		
		33			34				35	36		37	38	39		40
41				42				43	44		45		46	47	48	
49		50		51				52	53			54		56	57	
		57	58			59				60			61			
		62				63			64			65	66			67
68				69			70		71		72			73	74	
			75			76			77	78			79			
80	81			82			83	84	85	86	87			88	89	90
					91		92		93	94				95	96	
97	98	99			100		101		102		103		104	105		
		106	107			108	109				110			111		112
113						114					115			116		117

ck;।। nk;।& 1) श्रमिक 4) महोदय 7) एक प्रसिद्ध गाथिका रिच्छे राज्यस्वामी के लिये मनोनीत किया गया था 11) अनाथ 13) पतंगा 14) कथकित 15) बरगद 16) युद्ध 18) गुप्त भेद, मर्म 20) बड़ा शहर 21) पैर 23) लाश को ओढ़ाया जानेवाला वस्त्र 25) सोना 27) देर, पुंज 31) मुख्य होना 32) संपूर्ण 33) चंपत होना 35) दंड 39) रोकड़ 41) तोता 42) छोटा नाला 44) दोजख 45) महात्मा गांधीजी द्वारा दिया गया एक नारा 48) वायु 49) शोक 51) ललाट 52) बढ़ बढ़कर बोलना 54) सेठ, साहूकार 55) चक्कर खाना 57) तनने का भाव 59) भावो 60) भारत का एक पूर्वी राज्य 61) नियंत्रण, निवारण 62) उत्तर प्रदेश का एक जिला मुख्यालय 64)

राक्षस, दैत्य, असुर 65) अप्रसन्न 68) दोष, अवगुण 69) मिथ्या धारणा 72) एक पेड़ 73) नष्ट 75) पंख 76) जंगल 77) गीला 79) स्याही पात्र 80) विष्णु 82) साल 84) ब्राह्मण 86) पद (उर्दू) 88) खन खन करके बजना 91) नक्षत्र 92) माई की पत्नी 94) असावधानी,, चूक 96) स्वप्न 97) श्लेष्मा 99) सोने के रंग का, बहुत अच्छा (मौका) 101) युद्ध, लड़ाई 103) घरों में पानी पहुंचाने का एक साधन 104) देवता 106) डरना 108) प्राणदान 110) अस्वस्थ 111) सरा गाय की पूंछ का बना हुआ चंवर 113) ताकतवर 114) अलंकृत होना, सुंदर रूप में होना 115) श्रीकृष्ण का एक नाम 116) मृग 117) बीमारी

Aj I ulps :- 1) सलाह 2) पानी 3) असह्य 4) संसार 5) मूर्ख 6) फुसलाना, मड़काना 7) निशान 8) विभीषण का भौजाई 9) लाश 10) उड़ीसा का एक प्रमुख शहर 11) मृत्यु देव 12) धनुष्य बाण 14) गुलामी 16) जुट 17) सही 19) चहल पहल, गतिविधि 22) बीच का 24) कर्तव्य 26) कृतघ्न 28) सम्मिलन, साझा, मिलाप 29) हरियाणा का एक प्रमुख शहर 30) गंध 34) हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार 36) मालुस करना 37) कमल 38) श्रीकृष्ण का एक नाम 40) पागल 41) गिनती,, तादाद 43) बादशाह का एक संबोधन 45) डोली ढोनेवाली एक जाति 46) वाहन, गाड़ी 47) रुचिकर 50) स्वार्थी 51) गुजराथ का एक प्रसिद्ध शहर 53) डीलडौल 54) दिल्ली, कोलकाता, मुंबई जैसे बहुत बड़े शहर 56) कहानीकार 58) रिश्ता 59) हिन्दुस्थान 60) व्यतीत करना 61) क्रोध 62) शराब 63) सेतु 65) विक्वंस 69) जो चिकना न हो 67) पश्चात 68) जोखीममरा 70) नाग का उठा हुआ सिर, कला 71) दोस्त 73) एक फ़्क्षी 74) बचपन 75) स्त्री का स्वामी,, नाथ 78) सूरज 81) जानवर 82) विष्णु के दशावतारों में से एक 83) अनादर 85) आविर्मूत, स्पष्ट 86) मेलजोल रखनेवाला 87) पंजाब से बहनेवाली एक नदी 89) देवता में डाली जानेवाली सुघन्धी 90) अनेक 91) बलपूर्वक खींचना 93) खुशबुवाली तंबाखू 95) आकाश में विचरण करनेवाला 98) खेत की उपज 99) फूल 100) कमल 102) वन, जंगल 105) प्रस्थान 107) वायु 109) दुल्हा 110) किश्ती 112) धब्बा

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब															
स	च	य	मि	ली	ग	त	हो	ना	जु	ला	हा	रे	त	क	ट
र	ह	म	दि	ल	ला	ज		य	ल	गा	र	स	खा	म	लि
ह	त	वा	न	र	ब	ज	र	ग	ब	ली	चू	हा	मा	र	क
द	क	ली	क्षा	त्र	मा	ज	स		ल	स	ज	मा	ता		न
म	द	क	स्त	व	न		ब	र	ग	द	न	क्या	री		
न	ग	र	पा	लि	का	न	त	म	स्त	क	म	र	स	क	नु
मा	ल	दा	र	ला	लि	मा	हा	र	आ	ग	ज	नी	प	क	ड़
ज	वा	न	बा	बा	ला	हो	र	का	का	न	प	ह	र		र
ग	र	ह	र	जा	ना	श	त	प्र	ति	श	त	मे	ह	न	ता
अ	ग	बा	र	दा	ना		ज	ल	प	ना	ह	ले	ना	क	या
ख	ब	र	दा	र	न	म	क	दा	न	जा	न	व	र	आ	म
बा	ल	बा	ल	क्षी	क	फि	न	क	ल	न	सी	ब	या	क	
र	वा	शो	स	र	ल	ता	र्ज	स	ह	ज	ता	क	क्षी	र	
न	दी	वा	र	ग	ण	दे	व	ता	क	र	ता	र	सा	स	ना
थी	र	वा	र	मा	र	व	क	श	म	क	श	ज	य	मा	ला
स	जा	ना	पे	ट	मा	मा	त	क	र	ना	ज	मा	न	त	दा



ऑस्ट्रेलिया के व्यापार प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा से व्यापार, निवेश के नए अवसर खुले..

नई दिल्ली, (भाषा)।
ऑस्ट्रेलिया के उच्चस्तरीय प्रांतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा ने द्विपक्षीय व्यापार को सालाना पांच अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक पहुंचाने की दिशा में नींव तैयार की। इस दौरान दोनों पक्षों ने महत्वपूर्ण खनिज, उच्च प्रौद्योगिकी,

बुनियादी ढांचे और पर्यटन के क्षेत्र में संबंध मजबूत करने की इच्छा जताई है। ऑस्ट्रेलियाई प्रांत न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की सरकार के प्रमुख क्रिस मिन्स के नेतृत्व में आए व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने शीर्ष भारतीय अधिकारियों और नेताओं के साथ कई बैठकें कीं। बैठकों में व्यापार और निवेश संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने पर चर्चा हुई। यह भारत और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी को मजबूत करने और वैश्विक उथल-पुथल तथा व्यापार संबंधी बाधाओं से मिलकर निपटने की व्यापक सोच के लिए कदम उठाया गया है।

न्यू साउथ वेल्स ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक आबादी वाला प्रांत है और यहां देश का सबसे बड़ा शहर सिडनी स्थित है। यह प्रमुख वित्तीय, कारोबारी और शिक्षा केंद्र भी है। मिन्स और कोषाध्यक्ष डेनियल मूखी ने 31 अगस्त से तीन सितंबर तक नयी दिल्ली तथा मुंबई के चार दिवसीय यात्रा का नेतृत्व किया। मिन्स और मूखी ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा उद्यागपतियों से मुलाकात की।

बयान में कहा गया कि भारत को मिन्स की

प्रांतीय सरकार के प्रमुख के रूप में पहली विदेश यात्रा के लिए चुना गया, जो दोनों देशों के संबंधों को दिए जा रहे महत्व को दर्शाता है। मिन्स ने कहा, “इस सप्ताह हमें जो स्पष्ट संदेश मिला है, वह यह है कि यह रिश्ता अभी अपनी शुरुआत में है और इसमें काफी संभावनाएं हैं।” उन्होंने कहा, “महत्वपूर्ण खनिज, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में हम बहुत कुछ कर सकते हैं।”

मिन्स ने कहा कि न्यू साउथ वेल्स में भारतीय मूल के 200,000 लोग रहते हैं। ये लोग भारत के साथ संबंध मजबूत करने के लिए हाजिर से काफी महत्वपूर्ण हैं। यात्रा के दौरान न्यू साउथ वेल्स ने महाराष्ट्र के साथ अपने ‘सिस्टर-स्टेट’ समझौते को नया रूप दिया। दोनों सरकारों ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए 90 दिन के भीतर संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति जताई। प्रतिनिधिमंडल ने भारत और सिडनी के बीच सीधी उड़ानों की संख्या बढ़ाने के मुद्दे पर एयर इंडिया के साथ चर्चा की।

भारत-ईयू व्यापार में आयात शुल्क और घटाकर शून्य करने की संभावना पर हो विचार: बेल्जियम प्रधानमंत्री

मुंबई, (भाषा)।
बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने शुक्रवार को भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच कारोबार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न वस्तुओं पर आयात शुल्क को और घटाकर शून्य करने की संभावना पर विचार करने की वकालत की।

उन्होंने हीरा क्षेत्र में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर विशेष बल दिया। भारत यात्रा पर आए डी वेवर ने यहां ‘भारत डायमंड बोस’ (बीडीबी) में अपने संबोधन में कहा कि भारत और 27 सदस्य देशों वाले समूह ईयू को जनवरी में हुए ‘ऐतिहासिक’ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) तक पहुंचने में दो दशक लगे। इस समझौते पर इस साल के अंत तक हस्ताक्षर होने और अगले साल इसके लागू होने की संभावना है।

उन्होंने कहा, “एफटीए भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले पॉलिश हीरों समेत सभी तरह के उत्पादों पर मौजूदा आयात शुल्क में काफी कमी करता है। और मैं समझता हूँ कि शुल्क को और कम करने

निश्चित रूप से फलता-फूलता रहेगा।” इस अवसर पर बीडीबी के अध्यक्ष अनूप मेहता ने कहा कि दोनों देशों के संबंध केवल व्यापारिक साझेदारी तक सीमित नहीं हैं। गुजरात समेत भारत के कई हीरा कारोबारी बेल्जियम के प्रमुख हीरा व्यापार केंद्र एंटरवर्प को अपना घर बना चुके हैं।

उन्होंने कहा, “दुनिया तेजी से बदल रही है और हमारे उद्योग को साझेदारी में इसके अनुरूप ढलना होगा। हमारा साझा उद्देश्य ऐसा हीरा कारोबार तैयार करना होना चाहिए जो न केवल समृद्ध हो, बल्कि निष्पक्ष, पारदर्शी और टिकाऊ भी हो।”

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने कहा कि भारत-बेल्जियम के बीच रत्न एवं आभूषण कारोबार 2025-26 में करीब 3.5 अरब डॉलर का था।

भारत में तराश और पॉलिश किए जाने वाले करोड़ों हीरों में से कई का कारोबार एंटरवर्प के जरिये होता है। उन्होंने कहा, “ये केवल आंकड़े नहीं हैं। ये कारोबार, आजीविका और भारत में परिवारों को सहारा देने वाले 50 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो इस वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जुड़े हैं।”

रुपया दो पैसे बढ़कर 94.49 रुपये प्रति डॉलर पर

मुंबई, (भाषा)।
रुपये में शुक्रवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी रही और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे मजबूत होकर 94.49 रुपये (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ने और जोखिम लेने की धारणा में सुधार से रुपये को समर्थन मिला।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, मजबूत विदेशी पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से रुपये में मजबूती बने रहने की संभावना है। हालांकि, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से रुपये की बढ़त सीमित रह सकती है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.53 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.46 के दिन के उच्चतम स्तर और 94.53 के निचले स्तर तक गया। रुपया अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.49 रुपये पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव की तुलना में दो पैसे की मजबूती है। रुपया बृहस्पतिवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ और 22 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.51 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, “सकारात्मक घरेलू बाजार, विदेशी पूंजी प्रवाह और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लिवाली से रुपये को समर्थन मिला।” रुपये में यह लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त है। बुधवार को रुपया 22 पैसे मजबूत होकर 94.73 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मंगलवार को यह 27 पैसे की बढ़त के साथ 94.95 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले सोमवार और शुक्रवार को रुपया क्रमशः 21 पैसे और दो पैसे मजबूत हुआ था।

चौधरी ने कहा, “वैश्विक बाजारों में मजबूती और निवेशकों के बेहतर जोखिम रुझान के बीच रुपये का रुख सकारात्मक रह सकता है। विदेशी पूंजी के प्रवाह और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वालर की नरम रुख वाली टिप्पणियों के बाद ब्याज दर बढ़ने की कम होती उम्मीद से भी रुपये को समर्थन मिलने की संभावना है।”

उन्होंने कहा कि हालांकि, कच्चे तेल की

एनएसई के 30,000 करोड़ रुपये के आई.पी.ओ. का रास्ता साफ, सेबी की मंजूरी मिली..

नई दिल्ली, (भाषा)।
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को करीब 30,000 करोड़ रुपये के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) की वेबसाइट पर शुक्रवार को उपलब्ध जानकारी के अनुसार, नियामक ने एनएसई को आईपीओ प्रस्ताव पर आगे बढ़ने के लिए मंजूरी दे दी है। एनएसई का आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। इसमें मौजूदा शेयरधारक करीब छह प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर 14.89 करोड़ शेयर बेचेंगे। ओएफएस होने की वजह से इससे जुटाई गई राशि एनएसई को नहीं, बल्कि शेयर बेचने वाले मौजूदा निवेशकों को मिलेगी।

मामले से जुड़े स्रोतों के अनुसार, एनएसई अगले सप्ताह आईपीओ के लिए मूल्य दायरा और अन्य प्रमुख विवरण घोषित कर सकता है। इस निर्गम के 15 सितंबर को खुलने और 24-25 सितंबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की संभावना है।

करीब 30,000 करोड़ रुपये जुटाने की स्थिति में एनएसई अक्टूबर 2024 में आए हुंई मोटर

इंडिया के 27,858.75 करोड़ रुपये के आईपीओ का रिकॉर्ड पीछे छोड़ देगा। हालांकि, सबसे बड़े आईपीओ के तमगे के लिए इसकी टक्कर रिलायंस की डिजिटल सेवा इकाई जियो प्लेटफॉर्म लिमिटेड के प्रस्तावित निर्गम से होगी। जियो प्लेटफॉर्म के आईपीओ का आकार करीब 37,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, लेकिन इसके आने का समय अभी घोषित नहीं हुआ है।

एनएसई का आईपीओ 2022 में आए एलआईसी के 20,557.23 करोड़ रुपये के निर्गम के अलावा 2021 में आए पेटिएम के 18,300 करोड़ रुपये, 2025 में आए टाटा कैपिटल के 15,511.87 करोड़ रुपये और 2010 में आए कोल इंडिया के 15,200 करोड़ रुपये के आईपीओ से भी बड़ा होगा।

करीब एक दशक की नियामकीय अड़चनों के बाद आने वाला यह आईपीओ एनएसई को बाजार पूंजीकरण के लिहाज से भारत की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल कर सकता है। स्रोतों के अनुसार, करीब 30,000 करोड़ रुपये के आईपीओ से एनएसई का बाजार पूंजीकरण पांच

चार सत्रों के बाद शेयर बाजार में तेजी लौटी; सेंसेक्स 363 अंक चढ़ा, निफ्टी भी लाभ में..

मुंबई, (भाषा)।
वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच धातु, निजी बैंक और तेल एवं गैस कंपनियों के शेयरों में खरीदारी आने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार चार दिन की गिरावट से उबरकर तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 363 अंक चढ़ा जबकि निफ्टी में बढ़त सीमित रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 362.57 अंक यानी 0.48 प्रतिशत बढ़कर 76,515.43 अंक पर बंद हुआ। इसके 20 शेयर लाभ में, जबकि 10 नुकसान में रहे। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 730.28 अंक तक चढ़कर 76,883.14 अंक के उपरी स्तर पर पहुंच गया था।

एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 24.25 अंक यानी 0.10 प्रतिशत बढ़कर 23,897.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 132 अंक चढ़कर 24,005.75 अंक तक पहुंच गया था लेकिन समापन नीलामी सत्र (सीएसएस) में इसकी बढ़त कम हो गई।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फर्निचर, टैट, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

दूसरी तरफ भारतीय एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इटर्नल, एशियन पेंट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, सन फर्मास्युटिकल्स, आईसीआईसीआई बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारति सुजुकी इंडिया के शेयरों में गिरावट रही।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तत्काल ब्याज दर बढ़ाने की आशंका कम होने से भारतीय शेयर बाजार में राहत भरी तेजी आई। हालांकि, ऊंचे स्तरों पर मुनाफवसूली और पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने से बढ़त सीमित रही।”

नायर ने कहा कि घरेलू बाजार में शेयर और क्षेत्र आधारित खरीदारी जारी रही तथा छोटी कंपनियों के शेयरों के सूचकांक कारोबार के दौरान अपने अब तक के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। नायर ने कहा, “मजबूत आय वृद्धि, अर्थव्यवस्था की मजबूती और घरेलू मांग में मजबूती से व्यापक बाजार में निवेशकों का भरोसा कायम है।”

बीएसई पर सूचीबद्ध 2,482 शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 1,901 शेयरों में गिरावट रही। वहीं, 235 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे।

व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.48 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.02 प्रतिशत की बढ़त रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में धातु खंड 1.42 प्रतिशत तेजी के साथ सबसे आगे रहा जबकि आवासीय वित्त खंड में 1.41 प्रतिशत, दूरसंचार खंड में 1.39 प्रतिशत और बीमा खंड में 1.37

प्रतिशत की तेजी रही। हालांकि रियल्टी, पूंजीगत उत्पाद और आईटी खंड गिरावट के साथ बंद हुए। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स कुल 749.08 अंक यानी 0.96 प्रतिशत के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 277.95 अंक यानी 1.14 प्रतिशत की गिरावट रही। मोतीलाल ओसवाल फर्नेशियल सर्विसेज में संपत्ति प्रबंधन के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, “कच्चे तेल के दाम और पश्चिम एशिया में तनाव अब भी जोखिम बना हुआ है लेकिन निवेशकों की नरम वैश्विक ब्याज दर अपेक्षाओं और घरेलू नकदी पर टिकी रहेगी।”

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग 1.74 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया का कॉसी 1.64 प्रतिशत और जापान का निक्की सूचकांक 1.28 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। वहीं, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक 0.30 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। यूरोप के बाजारों में ज्यादातर स्थिर रुख रहा। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए थे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत गिरकर 95.14 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 2,345.87 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशक शुद्ध खरीदार रहे और उन्होंने 4,977.46 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 417.49 अंक गिरकर 76,152.86 अंक और निफ्टी 41 अंक की गिरावट के साथ 23,873.45 अंक पर बंद हुआ था। दोनों सूचकांकों में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट रही थी।

गोवा में घरेलू पर्यटकों की संख्या 2025 में एक करोड़ के पार, विदेशी सैलानी भी बढ़े..

पणजी, (भाषा)।
गोवा आने वाले पर्यटकों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में तेज वृद्धि हुई है। घरेलू पर्यटकों की संख्या 2022 के करीब 70.19 लाख से बढ़कर 2025 में 1.03 करोड़ से अधिक हो गई, जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या पिछले साल पांच लाख के पार पहुंच गई। राज्य सरकार ने विधानसभा में यह जानकारी दी है।

पर्यटन मंत्री रोहन खोंटे की तरफ से हाल में संपन्न मानसून सत्र में पेश आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2022 में 70,18,945 घरेलू और 1,69,005 विदेशी पर्यटक गोवा आए थे।

घरेलू पर्यटकों की संख्या 2023 में बढ़कर 81,75,460 और 2024 में 99,41,285 हो गई। वहीं, 2025 में यह संख्या बढ़कर 1,02,84,608 पहुंच गई। गोवा आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या भी 2023 के 4,52,702 से बढ़कर 2024 में 4,67,911 और 2025 में 5,17,802 हो गई। वर्ष 2026 के पहले सात महीनों में भी गोवा आने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई है। इस दौरान 59,01,769 घरेलू और 2,36,113 विदेशी पर्यटक आए।

इस तरह जनवरी-जुलाई में कुल पर्यटकों की संख्या 61.37 लाख से अधिक रही। राज्य सरकार ने कहा कि पर्यटन राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में प्रत्यक्ष रूप से अनुमानित 16.43 प्रतिशत का योगदान देता है। हालांकि,

पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या से बुनियादी ढांचे, प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय समुदायों पर दबाव पड़ सकता है। राज्य सरकार ने पर्यटकों को पारंपरिक तटीय इलाकों से हटाकर राज्य के अंदरूनी इलाकों तक पहुंचाने के लिए ‘गोवा बिर्यान्ड बीचेज’ पहल शुरू की है। इसके तहत मानसून, ग्रामीण क्षेत्र, विरासत, संस्कृति और अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने कहा कि गोवा देश का पहला ऐसा राज्य भी बन गया है जिसने ‘रिजनरेटिव टूरिज्म’ को अपनाया है। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय नुकसान कम करने के साथ प्राकृतिक संसाधनों, स्थानीय समुदायों और पर्यटन स्थलों की स्थिति में सुधार करना है।

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हेमंत नायक
मो. 88273 19933

जग प्रेरणा

10 शनिवार 05 सितंबर 2026

live मंडला नैनपुर

● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

मंडला में बड़ा हादसा टला: जर्जर स्कूल भवन की दीवार भर भराकर गिरी..

जन्माष्टमी अवकाश ने बचाई 44 बच्चों और शिक्षकों की जान, वर्षों से चेतावनी के बावजूद नहीं जागा प्रशासन

हेमंत नायक जग प्रेरणा मंडला।



जिले के दूरस्थ ग्राम इमली टोला में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। यहां शासकीय प्राथमिक विद्यालय के जर्जर भवन की एक दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। संयोग से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का अवकाश होने के कारण स्कूल बंद था। विद्यालय में बच्चे और शिक्षक मौजूद नहीं थे, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। स्कूल संचालित होने के दौरान यदि दीवार गिरी तो बड़ा हादसा हो सकता था।

ग्रामीणों के मुताबिक विद्यालय भवन का निर्माण वर्ष 1996 में हुआ था। वर्तमान में यहां पहली से पांचवीं कक्षा तक करीब 44 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। भवन की हालत पिछले कई वर्षों से खराब थी। इसके बावजूद समय रहते न तो आवश्यक मरम्मत कराई गई और न ही नए भवन की व्यवस्था की गई।

छत से टपकता था पानी, जगह-जगह गिरता था प्लास्टर

ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में स्कूल की छत से पानी टपकता था। भवन के कई हिस्सों का प्लास्टर टूटकर गिर चुका था, जबकि दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें दिखाई देती थीं। जर्जर भवन के बीच बच्चों की कक्षाएं संचालित होने से अभिभावक लगातार चिंतित रहते थे।

ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों और शिक्षकों को कई बार डर के माहौल में पढ़ाई करानी पड़ती थी। अभिभावकों द्वारा भवन की स्थिति को लेकर जिम्मेदार विभाग और प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।

बारिश में सामुदायिक भवन में लगानी पड़ती थी कक्षाएं

विद्यालय भवन की खराब स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बारिश के

दौरान कई बार स्कूल की कक्षाएं गांव के सामुदायिक भवन में संचालित करनी पड़ती थीं। बारिश कम होने पर बच्चों को फिर पुराने भवन में बैठकर पढ़ाया जाता था। ग्रामीणों के अनुसार यह व्यवस्था लंबे समय से चल रही थी। उन्हें आशंका थी कि भवन का कोई हिस्सा कभी भी गिर सकता है। शुक्रवार को दीवार गिरने की घटना ने इस आशंका को सच साबित कर दिया।

20 जुलाई को कलेक्टर को दिया था आवेदन

ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय भवन की स्थिति को लेकर 20 जुलाई को कलेक्टर को लिखित आवेदन दिया गया था। आवेदन में भवन की छत से प्लास्टर गिरने, बारिश में पानी टपकने और दीवारों में गंभीर दरारें होने की जानकारी देते हुए नए स्कूल भवन के निर्माण की मांग की गई थी। इसके बावजूद समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं होने से अब विद्यालय भवन की दीवार गिर गई। घटना के बाद ग्रामीणों में प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है।

जिले में सैकड़ों स्कूल भवन मरम्मत की राह देख रहे

जानकारी के अनुसार मंडला जिले में करीब 1950 शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय भवन हैं। इनमें लगभग 702 भवनों को तत्काल मरम्मत की आवश्यकता बताई जा रही है। शिक्षा विभाग द्वारा जर्जर भवनों की मरम्मत और नए भवनों के निर्माण के प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं।

बताया गया है कि पिछले वर्ष करीब 580 स्कूल भवनों की मरम्मत के प्रस्ताव शासन को भेजे गए थे, लेकिन इनमें से अब तक केवल 22 प्रस्तावों को स्वीकृति मिल सकी है। ऐसे में जिले

के अनेक विद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों में आक्रोश, तत्काल नए भवन की मांग

इमली टोला में दीवार गिरने की घटना के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों ने तत्काल सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था तथा नए विद्यालय भवन के निर्माण की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को किसी हादसे का इंतजार करने के बजाय पहले से चिन्तित जर्जर स्कूल भवनों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करनी चाहिए।

ग्रामीणों का कहना है कि इमली टोला की घटना केवल एक स्कूल की समस्या नहीं है, बल्कि जिले के कई विद्यालयों की स्थिति इसी तरह चिंताजनक है। यदि समय रहते जर्जर भवनों की मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं कराया गया तो भविष्य में किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी किसकी होगी?

सवालों के घेरे में व्यवस्था

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब स्कूल भवन की जर्जर स्थिति की जानकारी प्रशासन को पहले ही दी जा चुकी थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या किसी बच्चे के घायल होने या जान जाने के बाद ही प्रशासन की नींद टूटती?

फिलहाल जन्माष्टमी का अवकाश इमली टोला के 44 बच्चों और शिक्षकों के लिए सुरक्षा कवच साबित हुआ, लेकिन दीवार गिरने की घटना ने जिले के जर्जर स्कूल भवनों की वास्तविक स्थिति को सामने ला दिया है। अब जरूरत इस बात की है कि प्रशासन पूरे जिले में जर्जर विद्यालय भवनों का तत्काल सुरक्षा ऑडिट कराकर खतरनाक भवनों में कक्षाएं बंद कर सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करे।

एकीकृत शासकीय हाईस्कूल बिंझिया में भक्ति भाव के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव..

राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हे विद्यार्थियों ने मोहा मन, इस्कों गुप ने भी दी सहभागिता..

हेमंत नायक जग प्रेरणा मंडला।

एकीकृत शासकीय हाईस्कूल बिंझिया में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास, उमंग एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य श्री मुकेश कुमार पांडे के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में इस्कों गुप की भी विशेष सहभागिता रही। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सामूहिक रूप से 'हेरे राम, हेरे कृष्ण' का कीर्तन किया। भक्तिमय कीर्तन से विद्यालय परिसर कृष्ण भक्ति से सराबोर हो गया और पूरा वातावरण आध्यात्मिक एवं उल्लासपूर्ण नजर आया।



जन्माष्टमी उत्सव का मुख्य आकर्षण नन्हे विद्यार्थियों द्वारा राधा-कृष्ण का मनमोहक रूप धारण करना रहा। राधा और कृष्ण के रूप में सजे बच्चों ने सुंदर वेशभूषा, मुकुट, बांसुरी एवं आकर्षक श्रृंगार के साथ सभी का मन मोह लिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियां कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र रहीं। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री मुकेश कुमार पांडे ने विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने अपने जीवन के माध्यम से सत्य, धर्म, कर्तव्य, प्रेम, करुणा और कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करते हुए शिक्षा के साथ अच्छे संस्कारों को भी अपनाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं,

राधा-कृष्ण के प्रेम एवं भक्ति से जुड़े प्रसंगों को गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की। हेरे राम-हेरे कृष्ण के भक्तिमय कीर्तन, श्रीकृष्ण के भजनों, मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों और राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हे विद्यार्थियों ने पूरे विद्यालय परिसर को भक्ति और उल्लास से भर दिया। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं धार्मिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर मिला। अंत में भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

मुख्यमंत्री शहरी आवासीय पट्टा योजना से हितग्राहियों को मिला आवासीय अधिकार

हेमंत नायक जग प्रेरणा मंडला।

भुआ-बिछिया मुख्यमंत्री शहरी आवासीय पट्टा योजना के तहत नगर परिषद भुआ-बिछिया द्वारा पात्र हितग्राहियों को आवासीय पट्टे वितरित किए गए।



हितग्राहियों को अपने आवास पर अधिकार और सुरक्षा प्राप्त होगी। वहीं उपाध्यक्ष श्री रणधीर सिंह राजपूत ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाना नगर परिषद की प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में पार्षद श्री शशिकांत श्रीवास्तव, सहायक राजस्व

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी एवं उपाध्यक्ष श्री रणधीर सिंह राजपूत ने श्रीमती आरती

सोनी सहित अन्य हितग्राहियों को पट्टा दस्तावेज प्रदान किए। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी ने कहा कि आवासीय पट्टा मिलने से

निरिक्षक श्री नारायण सिंह परते, श्री मनोज निगम सहित नगर परिषद के कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांसद की गाड़ी कीचड़ में फंसी तो खुली विकास की पोल, 60 लाख का भवन बना लेकिन सड़क बनाना भूल गए जिम्मेदार..

चकदेही में लोकार्पण के दौरान सांसद-अधिकारियों के वाहन दलदल में धंसे, ट्रैक्टर से निकालना पड़ा..

ग्रामीण बोले—वर्षों से सड़क के लिए लगा रहे गुहार, आज अधिकारियों ने भी देखी जमीनी हकीकत..

हेमंत नायक जग प्रेरणा मंडला।

जिले के बबलिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चकदेही में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत उस समय सामने आ गई, जब जन-मन योजना के तहत निर्मित सामुदायिक भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे सांसद, अधिकारी

और जनप्रतिनिधियों के वाहन कीचड़ और दलदल में फंस गए। करीब 60 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन भवन तक पहुंचने के लिए सड़क की व्यवस्था नहीं होने से लोकार्पण कार्यक्रम ही प्रशासनिक अव्यवस्था का उदाहरण बन गया। बताया गया कि नव निर्मित सामुदायिक भवन के लोकार्पण के लिए केंद्रीय मंत्री एवं मंडला सांसद फगन सिंह कुलस्ते सहित अधिकारी और जनप्रतिनिधि चकदेही पहुंचे थे। लगातार बारिश के चलते भवन तक पहुंचने वाला मार्ग पूरी तरह कीचड़ और दलदल में बदल गया था। स्थिति यह रही कि कार्यक्रम स्थल से करीब 200 मीटर पहले ही वाहनों के पहिए कीचड़ में धंस गए और आगे बढ़ना मुश्किल हो गया।

ट्रैक्टर से खींचकर निकाली गई गाड़ियां..

वाहन दलदल में इस कदर फंस गए कि उन्हें निकालने के लिए ट्रैक्टर की मदद लेनी पड़ी।



स्थानीय ग्रामीणों ने ट्रैक्टर के सहारे वाहनों को कीचड़ से बाहर निकाला। मौके पर मौजूद लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस सड़क से आम ग्रामीण वर्षों से गुजरने को मजबूर हैं, उसी सड़क की हालत का सामना कार्यक्रम में पहुंचे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को भी करना पड़ा।

ग्रामीणों ने कहा—बारिश में गांव बन जाता है टापू..

ग्रामीणों का कहना है कि चकदेही में सड़क की समस्या वर्षों पुरानी है। बारिश आते ही मार्ग कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाता है। इससे स्कूली बच्चों, किसानों, मरीजों, बुजुर्गों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क निर्माण की मांग कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के सामने रखी गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने तंज कसते हुए कहा कि जब आम जनता की गाड़ियां और लोग कीचड़ में फंसे रहे, तब समस्या दिखाई नहीं दी; लेकिन जब सांसद और अधिकारियों के वाहन फंसे, तब सड़क की बदहाली सबके सामने आ गई।

भवन बना, लेकिन पहुंच मार्ग की सुध नहीं..

ग्रामीणों का सवाल है कि जब सामुदायिक भवन के निर्माण की योजना बनाई गई थी, तब उसके पहुंच मार्ग को लेकर पहले से व्यवस्था क्यों

नहीं की गई? लाखों रुपये खर्च कर भवन तैयार कर दिया गया, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क तक नहीं बनाई गई। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं का मतलब केवल भवन निर्माण और लोकार्पण तक ही सीमित रह गया है?

सांसद ने सड़क निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के लिए निर्देश..

मौके पर वाहन फंसे के बाद सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने अधिकारियों से सड़क की स्थिति को लेकर चर्चा की। बताया गया कि उन्होंने सड़क निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि वर्षों से लंबित सड़क की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा।

अब इन सवालों के जवाब जरूरी..

सामुदायिक भवन के निर्माण के साथ पहुंच मार्ग की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? करीब 60 लाख रुपये के भवन तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क क्यों नहीं बनाई गई? वर्षों से ग्रामीणों की सड़क संबंधी मांगों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या योजनाओं की स्वीकृति और निर्माण के दौरान स्थल की वास्तविक स्थिति का परीक्षण नहीं किया गया? क्या अब सांसद और अधिकारियों के वाहन फंसे के बाद ही सड़क निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी? चकदेही की घटना ने ग्रामीण विकास के दावों और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर उजागर कर दिया है।

एक ओर लाखों रुपये की लागत से सामुदायिक भवन तैयार है, दूसरी ओर उसी भवन तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को कीचड़ और दलदल से होकर गुजरना पड़ रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि मौके पर सामने आई इस समस्या के बाद सड़क निर्माण का प्रस्ताव कागजों से निकलकर धरातल तक कब पहुंचता है।

माहिष्मती घाट में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर..

हेमंत नायक जग प्रेरणा मंडला।
शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय मंडला द्वारा माहिष्मती घाट में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और आयुर्वेद चिकित्सा का लाभ लिया। प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित शिविर में चिकित्सकों द्वारा मरीजों का निःशुल्क



स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के उपरांत आवश्यकता अनुसार औषधियों का निःशुल्क वितरण भी किया गया। चिकित्सकों ने वर्षा ऋतु में होने वाली मौसमी बीमारियों के प्रति नागरिकों को जागरूक किया।

इस दौरान मलेरिया, डायरिया, सर्दी-जुकाम सहित अन्य संक्रमणों से बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही आयुर्वेदीय आहार-विहार, दिनचर्या और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने को लेकर आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर के माध्यम से लोगों को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करने के साथ ही बदलते मौसम में स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का संदेश दिया गया।

श्री गुरुद्वारा साहिब में धूमधाम से मनाई कृष्ण जन्माष्टमी..

हेमंत नायक जग प्रेरणा मंडला।

स्थानीय अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में श्री झुलेलाल धाम सेवा समिति एवं पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया।

सुबह 11 बजे पूजन-अर्चन के साथ रामधुनी का शुभारंभ किया गया। दोपहर 3 बजे सामाजिक महिलाओं ने रामधुन प्रस्तुत कर भक्ति का माहौल बनाया। रात्रि में सामाजिक कलाकारों ने श्रीकृष्ण भजनों से सजी संगीत संध्या की प्रस्तुति दी। रात्रि 12 बजे सामाजिक



बच्चे बाल स्वरूप कृष्ण एवं राधा की वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए। बच्चों ने रासलीला की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इसके बाद मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साथ श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक आतिशबाजी की। पूरे आयोजन के दौरान श्रीकृष्ण भक्ति और धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। आयोजन के समापन पर भगवान की आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। समाजजनों ने पर्व को पारंपरिक श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया।

JAB CHAHNIYE HO DOOR TAK PAHUNCH CHAL MERI LUNA

BOOK NOW TO GET 10% OFF

KINETIC GREEN

Address : Ward No. 32, Near Airham Gas Agency, Balghat

BP E VEHICLES

Contact 9517852365 7468752365

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
ग्रामीण

11

शनिवार 05 सितंबर 2026

गोंदिया भंडारा

● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखादूर

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

आमगांव खुर्द, सालेकसा स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय छात्रावास को पुनः शुरू करने की मांग

जगप्रेरणा सालेकसा।

सालेकसा तहसील के आमगांव खुर्द स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय छात्रावास को पूर्ववत शुरू करने की मांग को लेकर राष्टवादी कांग्रेस पार्टी, सालेकसा तहसील एवं स्थानीय

नागरिकों की ओर से 2 सितंबर 2026 को गोंदिया में जिले के लोकप्रिय नेता एवं सांसद माननीय श्री राजेंद्रजी जैन, गोंदिया जिले के पालकमंत्री एवं राज्यमंत्री माननीय श्री इंद्रनीलजी नाईक तथा गोंदिया जिला परिषद के उपाध्यक्ष एवं शिक्षा व स्वास्थ्य सभापति माननीय श्री सुरेशभाऊ हर्षे को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया गया कि आमगांव खुर्द, सालेकसा में अनाथ, भटकने वाले एवं भिक्षावृत्ति करने वाले परिवारों के बच्चों की शिक्षा एवं उचित देखभाल के उद्देश्य से 5 अक्टूबर 2013 को आवासीय छात्रावास की स्थापना की गई थी। यह छात्रावास लंबे समय तक सुव्यवस्थित एवं उचित नियोजन के साथ संचालित होता रहा। स्थानीय स्तर पर छात्रावास के संचालन एवं प्रबंधन के लिए स्थानीय प्रबंधन समिति गठित की गई थी, जिसमें तत्कालीन तहसीलदार अध्यक्ष के रूप में कार्य देखते थे। बताया गया कि कुछ प्रशासनिक निर्णयों के कारण यह छात्रावास बंद कर दिया गया,



जिसके परिणामस्वरूप यहां रहने वाले अनेक विद्यार्थी शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। जापन में चिंता व्यक्त की गई कि छात्रावास बंद होने के बाद कुछ बच्चे कम उम्र में ही गलत संगत एवं व्यसन की ओर बढ़ रहे हैं तथा सालेकसा के विभिन्न चौक-चौराहों पर भिक्षावृत्ति करते दिखाई दे रहे हैं। इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक स्थिति बताया गया है।

ज्ञापनकर्ताओं ने कहा कि एक ओर शासन इस बात के लिए निरंतर प्रयासरत है कि कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे, वहीं दूसरी ओर इस प्रकार के आवासीय छात्रावास के बंद होने से जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों के सामने शिक्षा और भविष्य का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। बताया गया कि इस छात्रावास में लगभग 50 विद्यार्थी

निवासरत थे तथा उनकी उचित देखभाल एवं व्यवस्था के लिए 7 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। छात्रावास बंद होने के कारण न केवल विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है, बल्कि वहां कार्यरत कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के समक्ष भी रोजगार और आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। इस अवसर पर सांसद माननीय श्री राजेंद्रजी जैन, पालकमंत्री एवं राज्यमंत्री माननीय श्री इंद्रनीलजी नाईक तथा जिला परिषद उपाध्यक्ष माननीय श्री सुरेशभाऊ हर्षे से छात्रावास को शीघ्र पूर्ववत शुरू करने के लिए शासन स्तर पर प्रभावी पहल करने तथा आवश्यक निधि उपलब्ध कराने की मांग की गई। जापन पर सांसद श्री राजेंद्रजी जैन एवं पालकमंत्री श्री इंद्रनीलजी नाईक ने विषय की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने तथा छात्रावास के लिए निधि उपलब्ध कराने के संबंध में उचित कदम उठाने के निर्देश दिए।

यह ज्ञापन राष्टवादी कांग्रेस पार्टी के तहसील अध्यक्ष डॉ. अजय उमाटे के मार्गदर्शन में तथा राष्टवादी कांग्रेस पार्टी के शहर अध्यक्ष ब्रजभूषण बैस, जिला महासचिव डॉ. हीरलाल साठवणे, तहसील युवा अध्यक्ष बाजीराव तरोने, युवा कार्यकर्ता ऋषि बैस एवं संजय ब्राह्मणकर के नेतृत्व में सौंपा गया। इस अवसर पर राष्टवादी कांग्रेस पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

शहर मे आमगांव-गोंदिया, आमगांव-देवरी मार्ग फोर लेन नाम का ही..

शहर मे बढ़ती अवैध पार्किंग से मार्ग पर दुर्घटना का खतरा बढ़ा..

जगप्रेरणा आमगांव।

देवरी-आमगांव एवं आमगांव-गोंदिया महामार्ग क्रमांक 543 का निर्माण शहर के बाहर टु लेन एवं आमगांव शहर की सीमा के अंदर डिक्वाडर के साथ फोर लेन बना हुआ है जिसके बनने के बाद

इस मार्ग की यातयात व्यवस्था शहर के अंदर चुस्त दुरुस्त होगी एवं वाहनों की आवा-जाही के लिए किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी एवं दुर्घटना का खतरा शून्य हो जायेगा ऐसी उम्मीद जताई जा रही थी किन्तु उम्मीद केवल उम्मीद ही बनकर रह गई है शहर के अंदर डिक्वाडर के साथ फोर लेन जरूर बन गया है किन्तु वाहनों के आवाजाही हेतु अब भी केवल दोनों बाजु केवल दो ही लेन उपलब्ध रहते हैं बाकी की दोनों बाजु की एक लेन पर आमगांव -देवरी हो आमगांव-गोंदिया मार्ग हो इन मार्ग पर हरदम वाहनों को खड़ा



किया जा रहा मार्ग पर व्यापारी प्रतिष्ठान अस्पताल बैंक इनमें कामों हेतु आनेवाले दुपाहिया चारपहिया वाहन चालकों द्वारा वाहनों को बड़े पैमाने पर पार्क किया जा रहा है आमगांव -देवरी मार्ग पर तो डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर चौक से तहसिल कार्यालय तक दोनों तरफ की पुरी एक लेन पर अवैध पार्किंग का जमावड़ा ही दिखाई दे रहा है यह स्थिति रोजना ही दिखाई दे रही है जिससे दोनों मार्ग पर दुर्घटना की संभावना बड़े पैमाने पर बढ़

गई है आमगांव यातयात पुलिस रोजना चौक पर खड़ी होती है पर केवल वाहन चालकों की लायसेंस पीयूसी मोटर सायकल सवार पर कार्रवाई करते दिखाई दे रहे हैं एक तरफ पुरे महाराष्ट्र राज्य मे दुर्घटनाओं को शून्य करने के लिए पुलिस विभाग विभिन्न जगहों पर वाहनों की जांच कर रही है एवं कई जगहों पर कार्यवाही करते हुए दिखाई दे रही है वही आमगांव शहर के आमगांव -देवरी आमगांव-गोंदिया मार्ग पर राष्ट्रीय महामार्ग पर अवैध पार्किंग से दुर्घटना का लगातार खतरा बना हुआ है किन्तु अवैध पार्किंग के संदर्भ में आमगांव पुलिस मुकदर्शक क्यों बनी हुई है यह सवाल खड़ा किया जा रहा है ऐसे में आमगांव शहर के अंदर यह महामार्ग की फोर लेन केवल नाममात्र ही दिखाई दे रही है ऐसे में क्या आमगांव पुलिस मुकदर्शक बनी रहेगी या इस अवैध पार्किंग पर ठोस कार्रवाई करेगी यह देखना होगा अवैध पार्किंग के चलते मुख्य मार्ग आमगांव-गोंदिया एवं आमगांव -देवरी मार्ग पर बड़े पैमाने पर दुर्घटना का खतरा बना हुआ है ऐसे में क्या यातयात पुलिस एवं आमगांव पुलिस अवैध पार्किंग खडे वाहनों पर कार्यवाही करेगी यह देखना होगा।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें
मो. 9329033433

आमगांव मे भव्य दहीहंडी कार्यक्रम का आयोजन 6 सितंबर रविवार को

आमगांव अष्टविनायक परिवार का आयोजन..

जगप्रेरणा आमगांव।

आमगांव अष्टविनायक परिवार नितनये सामाजिक एवं धार्मिक उपक्रम करने के लिये प्रसिद्ध है इसी कडी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर अष्टविनायक परिवार आमगांव की ओर से भव्य दहीहंडी



कार्यक्रम का 6 सितंबर रविवार को सोना टॉकीज के भव्य प्रांगण में किया गया है। दहीहंडी कार्यक्रम के अवसर पर गोविंदा के लिये भव्य पुरस्कार राशी रखी गई है। गोंदिया जिले सहित निकटतम छत्तीसगड मध्यप्रदेश के गोविंदा पथक की टोलीयो की दहीहंडी उत्सव मे कलाबाजी कार्यक्रम का मुल आकर्षण होगा साथ ही दहीहंडी उत्सव के पुर्वसंध्या पर महकाली मंदिर मे भव्य वेशभूषा स्पर्धा एवं डांस स्पर्धा का आयोजन भी किया गया जिसमे स्पर्धाको हेतु भव्य आकर्षक पुरस्कार रखे गये है दहीहंडी कार्यक्रम मे उद्घाटक के रूप में विधायक संजय

पुराम एवं सविता पुराम उपस्थित रहेंगे आमगांव के भव्य दहीहंडी कार्यक्रम केकेवल आमगांव ही नही तो निकटवर्ती सालेकसा देवरी तहसील सहित समुचे गोंदिया जिले के लिए आकर्षण का केंद्र है।

इस दहीहंडी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गोविंदा की टोलीया अपनी कर्तबजाजी दिखाते समुचे गोंदिया जिले सहित निकटवर्ती जिले से भी उपस्थित होती है जिससे आमगांव अष्टविनायक परिवार द्वारा आयोजित दहीहंडी कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र है इस भव्य दहीहंडी कार्यक्रम का लाभ लेने का आन्धान आयोजक अष्टविनायक परिवार के सदस्य ने किया है।

रायपुर में दम दिखाएगी एस एस व्ही पी एस की किशोर थाई बॉक्सिंग टीम



8वीं राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए श्री स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल के 11 खिलाड़ी रवाना..

जगप्रेरणा आमगांव।

खेल प्रतिभा को नई उड़ान देते हुए श्री स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, रिसामा के 11 होनहार छात्र-छात्राईं रवों थाई बॉक्सिंग राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए रायपुर रवाना हुए। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 4 से 6 सितंबर 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। बालिका वर्ग में खनक सचिन फये, तन्वी तोफेश जांभूलकर, प्रत्युषा सुहास भसे एवं युक्ति विश्वनाथ मानकर तथा बालक वर्ग में लक्ष्म रोशन कडुकर, वेदांत रोशन कडुकर, आरव सुभाष लिल्लारे, आरुष नारायण मुनेश्वर, युवान दिगंबर गौतम, पूर्वाध सचिन फये एवं



मयंक राहुल नांदगौली विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के साथ खेल शिक्षिका श्रीमती मालती लिल्लारे मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित हैं। प्राचार्या श्रीमती स्मृती छपरिया ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। शिक्षक एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय प्रबंधन समिति के राजेश गोयल, लीलाधर कलंत्री, डॉ. ललित कलंत्री, डॉ. जितेंद्र वाळ्के, डॉ. विकास जैन, डॉ. लता जैन एवं डॉ. भाग्यश्री वाळ्के ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए स्वर्णिम सफलता की शुभकामनाएं दीं।

सालेकसा पुलिस स्टेशन में शांति समिति की बैठक संपन्न



जगप्रेरणा सालेकसा।

आगामी दिनों में आने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, दहीहंडी, गणेशोत्सव एवं अन्य धार्मिक पर्वों को शांतिपूर्ण वातावरण और सामाजिक सद्भाव के साथ मनाने के उद्देश्य से 3 सितंबर 2026 को सालेकसा पुलिस स्टेशन में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता उपविभागीय पुलिस अधिकारी श्रीमती नंदिनी चानपूरकर ने की, जबकि सालेकसा पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक श्री रवि नागोसे के प्रमुख मार्गदर्शन में बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान उपस्थित शांति समिति के सदस्यों को आगामी त्योहारों के संबंध में विभिन्न आवश्यक सूचनाएं एवं जनजागृति संबंधी जानकारी दी गई। सभी आगामी त्योहार शांतिपूर्ण एवं सामाजिक सद्भाव के वातावरण में मनाए जाएं, इसके लिए शांति समिति के सभी सदस्यों से सक्रिय रूप से

प्रयास करने तथा समाज के समक्ष आदर्श स्थापित करने की अपेक्षा व्यक्त की गई। इस अवसर पर शांति समिति के सदस्य श्री विनय शर्मा, श्री ब्रजभूषण बैस, श्री मायकल मेश्राम, नगर पंचायत अध्यक्ष श्री विजय पुंडे, प्रा. राकेश रोकड़े, श्री विनोद जैन, श्री बद्रीप्रसाद दशरिया, श्री मुरशत अंसारी, श्री रघुदास नागपुरे, श्री राजू पुंडे, श्री मुकेश ठेकवार, श्रीमती योगिता असाटी, श्रीमती अनिता चुटे, श्रीमती प्रतिभा शिवणकर, श्रीमती छन्नू शिवणकर, श्रीमती प्रेरणा बंडोवार, श्री विनोद मडावी, श्री अतुल रेड्डीवार, श्री रितेश लिल्लारे, श्रीमती पल्लवी शिवणकर, श्रीमती रामबती पुसाम, श्री सतीश करवाडे, श्री सतीश टेंभरे सहित शांति समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। शांति समिति की बैठक को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए पुलिस सिपाही श्री विशाल जनबंधु ने विशेष प्रयास किए।

मनी लॉड्रिंग के केस मे फंसाने की धमकी देकर की धोखाधडी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत धोखाधडी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/8/2026 के दोपहर 2 बजे के दरम्यान आरोपी ने स्टेट बैंक आफ इंडिया के पास फर्नादी लिखीराम पैकुजी ब्राह्मणकर उम्र 65 वर्ष निवासी हनुमान चौक गोंदिया को मै पुलिस वाला हु तुम्हारा नाम मनी लॉड्रिंग के केस मे आया है। डर दिखाकर बताया अकाउंट मे 3 लाख 30 हजार रुपये डालकर धोखाधडी करने से दिये शिकायत पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अपराध क्रमांक 712/2026 धारा 318,4,319,2, बि एन एस 2023 सहकलम 66 डी,66 सी, आय टी अंकेट के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोनी बोरकुटे पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से मोटर सायकल चालक जखमी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत वाहन अपघात का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 28/8/2026 के रात 12 बजे के दरम्यान कारंजा टि पाईट पर सतीश राधेश्याम रहंगडाल उम्र 33 वर्ष निवासी तुमखेडा अपनी मोटरसायकल क्रमांक एम एच 35 ए वही 7528 से डुटी कर वापस घर लौट रहा था। रास्ते मे अज्ञात ट्रक चालक ने अपना वाहन लापरवाही से चलाकर ठोस प्रहार जखमी करने से दिये शिकायत पर अज्ञात ट्रकचालक के खिलाफ पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 511/2026 धारा 281,125, ब, भान्यास 2023 सहकलम 184,134, अ, ब, मोवाका के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा कोरे 1507 पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

उत्थान मंदबुद्धि आवासीय विद्यालय देवरी में गोकुलाष्टमी का उत्साह..

विशेष बच्चों के चेहरों पर खिली मुस्कान..

जगप्रेरणा देवरी।

सावित्रीबाई फुले बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था गोंदिया द्वारा संचालित उत्थान मंदबुद्धि आवासीय विद्यालय, देवरी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार



अत्यंत धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विशेष बच्चों ने श्रीकृष्ण और राधा की मनमोहक पोशाक पहनकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रधानाध्यापिका धनश्री तिवलकर और शिक्षकों के हाथों भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुई।

इस अवसर पर विद्यालय को गेंदे के फूलों की मालाओं और आकर्षक रंगोली से सजाया गया था। साथ ही बच्चों द्वारा बनाए गए 'हैप्पी जन्माष्टमी' के पोस्टर ने उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेष बच्चों ने

राधा-कृष्ण का रूप धारण कर बांसुरी, मुकुट और पारंपरिक पोशाक में सुंदर प्रस्तुति दी। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखकर उपस्थित लोगों की आँखें भर आईं। शिक्षकों ने इन बच्चों को त्योहार का आनंद देने और उनके भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया था।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी, छात्रावास अधीक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को अल्पाहार और प्रसाद का वितरण किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने विद्यार्थियों के इस प्रयास और शिक्षकों की मेहनत की जमकर सराहना की।

वृक्षों को राखी बांधकर दिया 'रक्षाबंधन' का अनोखा संदेश



बोदलबोडी जिला परिषद आदर्श विद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया रक्षाबंधन, विद्यार्थियों ने दिया भाईचारे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रा राकेश रोकडे जगप्रेरणा सालेकसा।



सालेकसा तहसील के जिला परिषद उच्च प्राथमिक आदर्श विद्यालय, बोदलबोडी में रक्षाबंधन का पर्व उत्साहपूर्वक वातावरण में मनाया गया। पारंपरिक रूप से रक्षाबंधन मनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों ने 'वृक्ष बचाओ, पर्यावरण बचाओ' का सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने छात्रों को प्रेम, स्नेह और भाईचारे का प्रतीक राखी बांधी। इस अवसर पर शिक्षकों ने भी रक्षाबंधन के माध्यम से आपसी प्रेम, सहयोग, भाईचारे तथा सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में स्थित वृक्षों को भी राखी बांधी। विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि वृक्ष हमारे जीवन के रक्षक

हैं और उनका संरक्षण करना भी हमारा कर्तव्य एवं जिम्मेदारी है। वृक्ष संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने वाला यह अभिनव और सराहनीय उपक्रम उपस्थित लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। रक्षाबंधन के अवसर पर विद्यार्थियों ने 'वृक्षों का संवर्धन करेंगे, पर्यावरण की रक्षा करेंगे' का संकल्प लिया। इस प्रकार इस वर्ष का रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच के संबंध को मजबूत करने वाला एक प्रेरणादायी संदेश भी बन गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के शिक्षकवृंद, शिक्षकेतर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने विशेष परिश्रम किया। उपस्थितों ने इस पर्यावरण-अनुकूल एवं सामाजिक संदेश देने वाले अभिनव उपक्रम की सराहना की।

